जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 216 प्रभात चूरू, बुधवार 3 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अब झारखंड भी कांग्रेस के हाथ से निकलेगा, बिहार के चुनाव के कारण

झारखंड के मु.मंत्री हेमंत सोरेन तीन दिन से दिल्ली में हैं तथा गृह मंत्री अमित शाह से सम्पर्क में हैं। चर्चा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब इंडिया गठबंधन छोड़कर, भाजपा से हाथ मिलाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। कांग्रेस के हाथ से एक और राज्य सरकार निकल सकती है।

कांग्रेस झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के साथ गठबंधन सरकार चला रही है, जिसका नेतृत्व हेमंत सोरेन कर रहे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि हेमंत सोरेन पिछले 3 दिनों से दिल्ली में हैं और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संपर्क में हैं, जिसे साझेदार बदलने की उनकी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

सोरेन की नाराज़गी और दुख की वजह बिहार में उनके प्रति कांग्रेस का व्यवहार है। बिहार में 30 से ज़्यादा सीटों पर आदिवासी वोटों का असर है और जब जेएमएम ने 6 सीटों की मांग की, तो कांग्रेस ने कह दिया कि आरजेडी वरिष्ठ साझेदार है और वही सीटें तय करेगा।

- हेमंत सोरेन की नाराज़गी की शुरुआत हुई, जब उन्होंने कांग्रेस से बिहार की तीस ट्राइबल सीटों में से छः सीटों पर टिकट मांगा। पर, कांग्रेस ने यह कह कर बात टाल दी की आरजेडी बिहार में इंडिया गठबंधन की वरिष्ठ पार्टनर है। अतः आरजेडी ही निर्णय लेगी, सीटों के बंटवारे के बारे में।
- हेमंत सोरेन ने जवाबी तर्क दिया कि कांग्रेस उसकी 35 ट्राइबल सीटों में से 2 सीटें झारखंड मुक्ति मोर्चा को दे दे और फिर वे सभी 36 ट्राइबल सीटों पर जमकर चुनाव प्रचार कर सकेंगे।
- पर, ये दो सीटें भी सोरेन को नहीं मिलीं तो क्रोधित सोरेन ने राहुल गांधी के विशेष चहेते, बिहार के प्रभारी अलुवीरा को बहुत अपशब्द सुनाये और इंडिया गठबंधन छोड़ने का निर्णय लिया।
- 42 सदस्यी विधानसभा में कांग्रेस के 16 विधायक हैं तथा आरजेडी के चार, अतः हेमंत सोरेन का आकलन है कि अगर इंडिया गठबंधन के 20 विधायक चले भी जाते हैं तो भाजपा के 21 विधायक उनके समर्थन में आ जाएंगे और सरकार चलती रहेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 2 दिसंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त कुलदीप कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि चिकित्सीय साक्ष्य और पीड़िता के बयानों से साबित है कि अभियुक्त ने उसके साथ संबंध बनाए हैं।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 15 फरवरी 2021 को विश्वकर्मा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह एक फैक्ट्री में काम करता है और परिवार सहित उसी परिसर में रहता है। बीती रात से उसकी नाबालिग बेटी घर से लापता है। उसे आसपास तलाश किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने फरवरी 2021 के मामले में फैसला सुनाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईआर के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन से कतराए कुछ विपक्षी दल

तृणमूल कांग्रेस, जेएमएम और सपा, कांग्रेस के साथ खड़े नज़र आना नहीं चाहते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। संयुक्त विपक्ष, जिसने वंदे मातरम् विवाद और एसआईआर पर संसद में चर्चा करवाने के लिए मोदी सरकार पर दबाव बनाने में सफलता पाई थी, में अब दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। 'इंडिया' गठबंधन के बनने के बाद पहली बार विपक्ष इस बात पर बंटा हुआ दिख रहा है कि एसआईआर के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन किया जाए या नहीं-और यह दरार अब तक दिखाई पड़ी उनकी संयुक्त राजनीतिक चुनौती को कमज़ोर कर सकती है।

वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, समाजवादी पार्टी (सपा) इस समय कांग्रेस के साथ बहुत नज़दीक दिखने को लेकर बहुत ज़्यादा सावधान है। हाल ही में बिहार चुनाव में महागठबंधन को मिली हार-जिसमें कांग्रेस एक प्रमुख सहयोगी थी-ने सपा को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कांग्रेस से निकटता कहीं चुनावी जोखिम न बढ़ा दे।

सपा के अंदरूनी लोग मानते हैं कि पार्टी इंडिया गठबंधन के भीतर अपने तालमेल की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही है, खासकर उन राज्यों में, जहाँ भाजपा के लिये मुख्य चुनौती है। मुख्य चुनौती सूत्रों ने यह भी कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में सीट बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ सकता है, क्योंकि कांग्रेस 403 सीटों वाली विधानसभा में 100 से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

इस तनाव को और बढ़ाते हुए, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कांग्रेस से नाराज़ बताए जा रहे हैं, क्योंकि हाल की रणनीतिक बैठकों में उनकी पार्टी जेएमएम को किनारे कर

- सपा के आंतरिक सूत्रों ने बताया कि पार्टी कांग्रेस के साथ तालमेल पर दोबारा सोच रही है और इसलिए वह कांग्रेस के ज्यादा निकट नज़र आने से कतरा रही है।
- ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल पहले ही कांग्रेस नेतृत्व वाली सामूहिक रणनीति से दूरी बना चुकी है। अरविंद केजरीवाल पहले ही इंडिया गठबंधन से अलग हो चुके हैं।
- झारखंड मुक्ति मोर्चा भी बिहार के रवैये के कारण कांग्रेस से नाराज़ है।
- देखना यह है कि क्या विपक्ष का गतिरोध एसआईआर व वंदे मातरम मुद्दे पर विपक्ष के सामूहिक विरोध की हवा निकाल देगा?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक अन्य कांग्रेस प्रभारी राजस्थान ट्राइबल इलाके का कुण्डा करने में लगे हैं

मेवाड़ की सात सीटों (उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर व प्रतापगढ़) में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्तियाँ चौंकाने वाली हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। राहुल गांधी लगातार ओबीसी समुदाय की बात करते हैं और कहते हैं कि उनकी जनसंख्या के अनुसार उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

लेकिन राहुल को उनके प्रिय "संगठन सृजन अभियान" में पूरी तरह गुमराह किया गया है, और ऐसा लगता है कि उन्हें पता ही नहीं है कि यह सब कैसे, कब और कहाँ हुआ।

मेवाड़-उदयपुर ज़िले में एआईसीसी के प्रभारी रंधावा, सीपी जोशी से सलाह-मशविरा करके काम

- तीन जिलाध्यक्ष (उदयपुर ग्रामीण, डूंगरपुर व बाँसवाड़ा) ही ट्राइबल हैं।
- दो जिलाध्यक्ष (उदयपुर सिटी व चित्तौड़गढ़) राजपूत हैं।
- प्रतापगढ़ में भी दो परस्पर विरोधी राजपूत ग्रुप्स की प्रतिस्पर्धा में नियुक्ति पैंडिंग है।
- राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं, ओबीसी जनता को पूरा प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, उनकी जनसंख्या के अनुरूप। अतः राहुल ये सामाजिक संतुलन बिठाने पर बहुत जोर दे रहे है तथा विशेषकर, मेवाड़ में सबसे अधिक जनसंख्या ट्राइबल्स की है तथा दूसरे नम्बर पर हैं ओबीसी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री कार्यालय का नया नाम 'सेवा तीर्थ'

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। केन्द्र सरकार ने एक अहम् फैसले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) वाले नए परिसर का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया। सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत निर्मित यह परिसर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया कार्यालय होगा। पहले इस जगह को एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव नाम दिया गया था।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सेवा तीर्थ को एक ऐसा कार्यस्थल बनाया जा रहा है, जहां सेवा भावना ही सर्वोपरि होगी और राष्ट्रीय स्तर की प्राथमिकताएं आकार लेंगी। सेवा, कर्तव्य और पारदर्शिता को शासन का आधार बनाने के प्रयासों के तहत, राज्यों में राज्यपालों के आवास के नाम राजभवन से बदलकर लोकभवन करने

- सभी राज्यों के राजभवन अब लोक भवन कहलायेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने इमरान की बहनों को इमरान से मिलने दिया

इमरान को स्वस्थ व खुश देखकर, सस्पैंस तो खत्म हुआ, पर, सेना अभी असमंजस की स्थिति में है इमरान के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो अगस्त 2023 से जेल में हैं, को आखिरकार एक बड़ी राहत मिली, जब जेल प्रशासन ने आखिरकार उनकी बहनों को उनसे मिलने की अनुमति दे दी। इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पी.टी.आई.) ने इमरान खान से मिलने की मांग को लेकर देशभर में लगातार जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किए।

जेल अधिकारियों की अनुमति मिलने के बाद उनकी बहनों ने इमरान खान से मुलाकात की और बताया कि पूर्व क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री पूरी तरह ठीक हैं।

इस बीच, पड़ोसी देश भारत में इमरान की सेहत को लेकर चिंता इस प्रकार बढ़ रही थी, मानो कोई बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया हो। राजनेता और मीडिया लगातार इमरान की सेहत और उनको होने वाले खतरों के बारे में बेचैनी से लिख रहे थे।

इस मुद्दे को लेकर भारत में सोशल मीडिया का माहौल गर्मा गया था। एक वर्ग इमरान की सुरक्षा को लेकर चिंतित था, जबकि दूसरा कह रहा था कि इमरान एक कट्टरपंथी मुस्लिम हैं और कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बलों पर गंभीर हमलों में उनकी भूमिका रही थी।

सोशल मीडिया पर कई लोग यह भी कह रहे हैं कि इमरान के लिए दुःख जताने के बजाय, भारत को उन बड़े वैश्विक मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत की सुरक्षा और हितों से जुड़े हैं।

फिर भी, इमरान खान भारत में खास रुचि का विषय बने रहते हैं। इसका एक बड़ा कारण उनका शानदार क्रिकेट करियर है, जिसने उन्हें भारत में भी लोकप्रिय बनाया।

लेकिन, अपने क्रिकेट के दिनों से

- इमरान पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, सेना की इच्छा व मदद से। पर, शीघ्र ही मतभेद उत्पन्न हो गए, दोनों के बीच और इमरान को अपना पद छोड़ना पड़ा।
- इमरान के सेना के साथ संबंध कभी नरम, कभी गरम चलते रहे।
- पर, अब सेना, शाहबाज़ शरीफ से भी ज्यादा खुश नहीं है। अतः मिश्रित भावनाओं के बीच इमरान राजनीति के सैन्ट्रल स्टेज पर आ गए हैं, 23 अगस्त से लगातार जेल में कैद होने के कारण।
- क्या सेना कुछ नरम हुई है, इमरान के प्रति। अतः, एक बार और प्र.मंत्री बन सकते हैं, इमरान, अगर मधुर संबंध चलते रहे, सेना व इमरान के बीच। नहीं तो कई नाटक देखने पड़ेंगे, पाकिस्तान के राजनीतिक मंच पर।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन की नई रणनीति बनाने के लिये बैठक आज

नयी दिल्ली, 02 दिसम्बर। लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने को लेकर मंगलवार को सर्वदलीय बैठक में सरकार तथा विपक्षी दलों के बीच बनी सहमति के बाद, अब विपक्षी इंडिया गठबंधन ने संसद में अपनी रणनीति पर नये ढंग से विचार करने के लिए संसद भवन परिसर में बैठक बुलाई है।

इंडिया गठबंधन के सूत्रों के अनुसार, बैठक बुधवार सुबह 09.45 बजे राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के चेम्बर में होगी, जिसमें गठबंधन के सदन के नेता संसद में सरकार के खिलाफ अपनी रणनीति

- सरकार और विपक्ष में संसद चलाने पर हुई सहमति के बाद खड़गे के चेम्बर में मीटिंग होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पावर ब्रेकफास्ट के बाद मिले कर्नाटक में परिवर्तन के संकेत

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, पार्टी जो भी फैसला लेगी, हम उसे स्वीकार करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को बेंगलुरु में अपने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (डीकेएस) से उनके बेंगलुरु-स्थित आवास पर 'पावर ब्रेकफास्ट' के लिए मुलाकात की। यह बैठक अन्य परिस्थितियों में देखी जाती तो सामान्य लग सकती थी।

इस विवाद का केन्द्र एक समझौता है, जो कथित तौर पर कांग्रेस की 2023 की चौंकाने वाली चुनावी जीत के बाद हुआ था, कि सिद्धारमैया और डीकेएस पांच साल का कार्यकाल साझा करेंगे, यानी दोनों में से प्रत्येक मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल काम करेगा।

ये दोनों कांग्रेस नेता, जो 2023 के चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर आपस में झगड़ रहे थे, नाश्ते पर मिले, जिसमें इडली, देसी चिकन करी और कॉफी (मुख्यमंत्री के लिए कम दूध वाली) के साथ दोनों ने चर्चा की। लेकिन इसका परिणाम अनिश्चित बना हुआ है, खासकर इसलिये कि सिद्धारमैया ने यह बताया कि दोनों ने आगामी कर्नाटक विधानसभा सत्र के बारे में बात की।

लेकिन सम्भवतः इस प्रकार की अपनी पहली स्वीकारोक्ति के रुप में, कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका समय समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, सिद्धारमैया ने यह भी संकेत दिया कि जब भी कांग्रेस के शीर्ष नेता उनसे कहेंगे, वे पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "पार्टी, विशेष रूप से राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय हम दोनों को स्वीकार होगा।"

सूत्रों ने कहा कि दोनों को दिल्ली बुलाए जाने की संभावना है, जहां वे 8 दिसंबर को उन नेताओं से मिल सकते हैं। योजना के अनुसार, सदन स्थगित हो जाने के बाद दोनों नेता बेलगावी (जहाँ कर्नाटक विधानसभा स्थित है) से दिल्ली रवाना हो जायेंगे। सूत्रों ने समझाया कि यह यात्रा, जिसमें राज्य के कांग्रेस सांसद भी उनके साथ होंगे, एजेंडा के अनुसार, किसानों के मुद्दों और राज्य के जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर होगी। लेकिन बैकचैनल वार्ता भी एजेंडे में होगी।

उससे पहले, सिद्धारमैया, डीकेएस और वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल मंगलुरु में एक कार्यक्रम में एक मंच पर नजर आ सकते हैं, जो दिल्ली बैठक के लिए एक पूर्वाभ्यास हो सकता है।

समझा जाता है कि राहुल गांधी और खड़गे से उनकी रुबरु मुलाकात इस सत्ता-हस्तान्तरण योजना को तय करने में महत्वपूर्ण होगी और तीन वर्षों से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त कर, कांग्रेस -शासित इस राज्य में स्थिरता की रक्षा करेगी। हालांकि, जैसा कि अधिकांश पार्टी मामलों में होता है, इस

- यह कह कर एक तरह से सिद्धारमैया ने भी पद छोड़ने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं।
- अब जल्दी ही, संभवतया 8 दिसंबर को दोनों नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक होगी, जिसमें भावी दिशा तय होगी।
- सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी और खड़गे सत्ता परिवर्तन का प्लान तैयार करेंगे, पर, जैसी कि परम्परा है, अंतिम फैसला राहुल लेंगे और यह संभवतया डीके शिवकुमार के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि राहुल कार्यकाल के बीच में सत्ता परिवर्तन पर असहमति जता चुके हैं।
- सूत्रों का मत है कि डीके शिवकुमार व सिद्धारमैया दोनों ही बदलाव पर सहमत हैं, पर, तारीख पर सहमत नहीं हैं। जहाँ डीके शिवकुमार जल्द से जल्द बदलाव चाहते हैं, वहीं सिद्धारमैया इसे जितना संभव हो सके, टालना चाहते हैं, संभवतया कार्यकाल खत्म होने तक।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयरपोर्ट चैक - इन सिस्टम में तकनीकी खराबी आई

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। अगर आप आज हवाई यात्रा के लिए रवाना होने वाले हैं तो आपको अपने लिये अतिरिक्त समय लेकर निकलना चाहिए, क्योंकि देश के कई एयरपोर्ट्स पर चेक-इन सिस्टम में तकनीकी दिक्कत आने से उड़ान सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इस वजह से कई एयरलाइंस की उड़ानें देरी से चल रही हैं, जिनमें एअर इंडिया की फ्लाइट्स भी शामिल हैं।

इसे लेकर एअर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि यह समस्या थर्ड-पार्टी सिस्टम में आई खराबी के कारण हुई है,

- देश भर के कई बड़े हवाई अड्डों से चैक-इन में तकनीकी खराबी आने से उड़ाने प्रभावित हुईं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ठोकरें केवल धूल ही उड़ाती हैं, फसलें नहीं उगाती। –टैगोर

फिल्म नीति पर्यटन के नहीं, कला-संस्कृति के केंद्र में हो!

ओटीटी प्लेटफॉर्म, मल्टीप्लेक्स संस्कृति तथा स्मार्टफोन जैसे मनोरंजन के नये माध्यमों के आ जाने से पारंपरिक सिनेमाघरों में दर्शकों की आमद कम हो गई है। राजस्थानी भाषा की फिल्मों को तो पहले भी सिनेमाघर मिलना दूभर रहा है जिस कारण उनके निर्माताओं की यह शिकायत हमेशा बनी रही कि उनकी फिल्में दर्शकों तक पहुंच ही नहीं पाती क्योंकि उन्हें मुख्य धारा की हिन्दी फिल्मों के मुकाबले महंगे सिनेमाघरों की स्क्रीन नहीं मिल पाती। उनकी लंबे समय से मांग रही है कि राज्य सरकार राजस्थानी फिल्मों के निर्माण और प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए कुछ ठोस कदम उठाये। मगर शासन और राजनेताओं की प्राथमिकताओं में सिनेमा हाशिये पर भी नहीं रहता है। राजस्थानी सिनेमा को बढ़ावा देने का भरोसा देने की रस्म अदायगी तो खूब हुई है जिसके चलते पिछले दशकों में राज्य सरकारों ने अनेक बार फिल्म नीतियां बनाई हैं, किन्तु राजस्थानी सिनेमा को अपनी हैसियत बनाने में उन नीतियों से कभी रत्ती भर भी मदद नहीं मिली है। अब एक बार फिर उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राज्य की नई फिल्म नीति लाने की घोषणा की है जिसे लेकर राजस्थानी भाषा की फिल्मों के निर्माण और व्यवसाय से जुड़े लोगों में हलचल बढ़ गई है। राजस्थान की पहचान उसकी अपनी गहरी सांस्कृतिक विरासत और असाधारण भौगोलिक विविधता के कारण रही है। जयपुर, जोधपुर और बूंदी के स्मारक, उदयपुर की झीलें, जैसलमेर का स्वर्णिम रेगिस्तान, स्थानीय लोगों के परिधान और लोक संगीत दुनिया भर के पर्यटकों को हमेशा ही आकर्षित करते रहे हैं। उन्हें अपने प्रचार के लिए फिल्मों की कोई दरकार नहीं रही है। किन्तु राज्य सरकारें जब भी फिल्म नीति बनाती हैं तो उसे पर्यटन के प्रोत्साहन के औजार के रूप में ही हमेशा प्रस्तुत करती रही हैं। इस बार भी उप-मुख्यमंत्री के बयान से ऐसा ही प्रतीत होता है। राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फिल्मों के उपयोग को फिल्म नीति कहना केवल सीमित सोच का परिचय देना ही नहीं है, बल्कि वह फिल्म उद्योग के बारे में मूल समझ के अभाव को भी दर्शाता हैं। सत्ता में बैठे लोगों को कौन समझाये कि फिल्मनीति सिर्फ लोकेशन-प्रमोशन का माध्यम नहीं होती हैं; वह एक विचार, एक सृजन और एक संस्कृति का विस्तार होती हैं। राज्य की फिल्म नीति के साथ हमेशा ही यह समस्या रही है कि वह हमेशा टूरिज्म का विस्तार मानकर तैयार की जाती रही है और इस बार भी इससे अलग होने के आसार नज़र नहीं आ रहे हैं। राज्य की फिल्म नीति को कला, संस्कृति, और रचनात्मकता के उद्यम का हिस्सा होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि फिल्म नीति में राजस्थान को सिनेमा-उद्योग के केंद्र के रूप में स्थापित करने का खाका तैयार किया जाए, न कि उसे पर्यटन का परिशिष्ट बनाकर छोड़ दिया जाए। फिल्मकारों के लिए अनुकूल वातावरण, स्थानीय प्रतिभाओं के लिए अवसर, रोज़गार एवं आर्थिक गतिविधियों का विस्तार, और संस्कृति एवं कला के संरक्षण और संवर्धन का ढांचा बनाना फिल्म नीति का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में राजस्थान की फिल्म नीति का बड़ा हिस्सा लोकेशन शूटिंग के परमिशन, शुल्क और पर्यटन संबंधी पैकेजों पर केंद्रित रहता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि सरकार फिल्म उद्योग को एक व्यवसाय या क्रिएटिव सेक्टर के रूप में विकसित करने से पूरी तरह चूक जाती है। सचिवालय में बैठे अधिकारियों की सीख पर चलने वाले नीति निर्माताओं ने फिल्मों को सिर्फ पर्यटन बढ़ाने का साधन मान लिया है। पर्यटन को फिल्म नीति का परिणाम तो बनाया जा सकता है, लक्ष्य नहीं। फिल्म नीति में यह विभाजन स्पष्ट करना होगा। फिल्म उद्योग में कला, कौशल, रोजगार, रचनात्मकता शामिल होती है। सिने-पर्यटन उसका सह-उत्पाद हो सकता है।

राजस्थान में फिल्मों की शूटिंग तो खूब हुई, पर स्थानीय फिल्म निर्माण, स्थानीय कलाकारों का विकास, तकनीकी प्रशिक्षण आदि के पहलुओं में प्रगति नहीं हो पाई। इसलिए पर्यटन-केंद्रित सोच से हटकर 'रचनात्मक उद्योग' की दृष्टि से नीति बनाने की पहल करने की जरूरत है। नई फिल्म नीति को पर्यटन विभाग की फाइलों से निकाल कर कला और संस्कृति के तहत लाने की आवश्यकता है क्योंकि फिल्में कला का विस्तार हैं, लोकेशन-गाइड नहीं। लंबे समय से राजस्थान में फिल्म सिटी बनाने की बातें भी होती रही हैं। किन्तु अब यह भी बेमानी हो चुका है। डिजिटल तकनीक के विकास से अब फिल्म सिटी का कॉन्सेप्ट ही समाप्त हो चला है। राजस्थान की शूटिंग लोकेशन भी अब वीएफएक्स के ज़माने में अर्थहीन हो गई है। वास्तव में फिल्म सिटी के नाम पर फिल्म कारोबार से इतर के निजी निवेशक लालायित रहते हैं, जिनकी दिलचस्पी सिनेमा के बजाय रियल एस्टेट अर्थात रियायती दरों पर भूमि पाने और कर रियायतों में ही होती हैं जिसमें उन्हें सीधा मुनाफा दिखता है। इससे वास्तविक फ़िल्मकारों की मदद नहीं होती। राजस्थानी भाषा का साहित्य और यहां की लोक-कथाओं का समृद्ध भंडार किसी भी राज्य से कम नहीं है। बस जरूरतइस बात की है कि राजस्थानी फिल्में बनाने वालों को उस तरफ प्रेरित किया जाए तथा शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और इंडिपेंडेंट सिनेमा के लिए स्पेस तैयार किया जाए। राज्य में स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और विद्यार्थियों के लिए सिने प्रशिक्षण का कोई कार्यक्रम नहीं है। फिल्म सिटी की बजाय राज्य सरकार को फिल्म इंस्टिट्यूट जैसा कोई अकादमिक संस्थान बनाने का सोचना चाहिए जहां फिल्म, अभिनय, सिनेमैटोग्राफी, पटकथा लेखन, मेकअप, और एडिटिंग की स्किल डेवलपमेंटका प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। उसकी पुणे तथा कोलकाता के फिल्म एवं टेलीविज़न संस्थानों के साथ शैक्षणिक साझेदारी बनाई जा सकती है। अन्य राज्यों की तरह राजस्थान फिल्म विकास निगम भी बनाया जा सकता है, जिसमें सिने कला के असल जानकार लोगों को जोड़कर बेहतर काम किया जा सकता हैं। राजस्थान में कला और संस्कृति का भंडार है। यहां के लोक कलाकार, कथाकार, तथा शिल्पकार विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन इनको सिनेमा से जोड़ने का सुव्यवस्थित ढांचा नहीं है। फिल्म विकास निगम यह काम कर सकता है। राजस्थान को महाराष्ट्र या बंगाल की तरह अपना क्षेत्रीय फिल्म उद्योग खड़ा करने के लिए राज्य सरकार फिल्म फेस्टिवलों को बढ़ावा देने की पहल भी कर सकती है। जयपुर से बाहर भी राज्य के बड़े शहरों में राजस्थानी भाषा की फिल्मों के फेस्टिवल मनाए जाने के लिए सरकार सक्रिय भागीदारी निभा सकती है। फिल्म फेस्टिवल, मार्केट और क्रिएटिव इकोनॉमी का विस्तार करने के लिए राजस्थान को साल भर चलने वाले फिल्म इवेंट कैलेंडर की जरूरत हैजो फिल्म नीति का एक अहम भाग हो सकता है। राजस्थान को सिनेमा के विश्व-नक्शे पर स्थापित करने की कल्पना भले ही अभी दूर की कौड़ी लगे किन्तु कल्पना की यह उड़ान नई फिल्म नीति का मूल मंत्र होनी चाहिए। राजस्थान की रेत, संगीत, लोक-कथाएं और संस्कृति पहले से ही अमर हैं-अब जरूरत है कि फिल्म नीति उन्हें आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। राजस्थान को लोकेशन नहीं, एक क्रिएटिव सिनेमा सेंटर के रूप में विकसित करने का प्रयास होना चाहिए। राज्य सरकार यदि सही दृष्टि के साथ, पर्यटन से अलग हटकर कला और रचनात्मक उद्योग के विकास पर आधारित फिल्म नीति बनाए, तो राजस्थान न केवल भारत का बल्कि दुनिया का प्रमुख फिल्म हब बन सकता है।

राजस्थानी फिल्मों को स्थायी और विश्वसनीय प्रदर्शन स्थलों की उपलब्धता सुनिश्चित करना फिल्म नीति की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि दर्शकों को राजस्थानी फिल्मों तक सरल पहुंच मिल सके। यह स्पष्ट है कि राजस्थानी फिल्म निर्माण में कोई बड़ा निवेश नहीं आता है। मुख्य धारा के फिल्म प्रदर्शन स्थल राजस्थानी फिल्मों के निर्माताओं के बूते के बाहर हैं। इसके लिए यदि फिल्म नीति कोई सकारात्मक ठोस कदम की व्यवस्था करे तो वह राजस्थानी फिल्म निर्माण को बहुत बड़ा संबल होगा। इसके लिए बड़े शहरों में सार्वजनिक सभा भवनों, जिला मुख्यालयों पर सूचना केंद्रों के सभागृहों, कला मंडलों, टाउन हॉलों, तथा नगर निगम/नगर पालिका के सामुदायिक केंद्रों में फिल्म प्रोजेक्शन के इंतजाम करके तथा थोड़ी सुविधाएं बढ़ा कर वहां आम दर्शकों के वहन योग्य टिकट दर पर राजस्थानी भाषा में निर्मित फिल्मों के नियमित प्रदर्शन की व्यवस्था की जा सकती है। टिकटिंग व्यवस्था ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से हो सकती है। टिकट बिक्री से प्राप्त संपूर्ण आय सीधे फिल्म निर्माता अथवा निर्माण करने वाली संस्था को हस्तांतरित की जा सकती है। फिल्म प्रदर्शन की समय-सारिणी का निर्धारण करने के लिए एक फिल्म स्क्रीनिंग कमेटी बनाई जा सकती है। यह पहल क्षेत्रीय सिनेमा उद्योग के पुनर्जीवन की दिशा में एक मौलिक और व्यवहारिक कदम होगी। सरकारी सभागृहों का उपयोग बढ़ने से उनकी सांस्कृतिक उपयोगिता भी बढ़ेगी तथा राजस्थानी फिल्मों को निश्चित और स्थायी प्रदर्शन के लिए मंच मिलेगा। छोटे निर्माताओं को भी सीधी आर्थिक आय प्राप्त होगी, जिससे उद्योग में निवेश बढ़ेगा। युवा कलाकारों, तकनीशियनों और निर्देशकों को स्थायी अवसर मिलेंगे। जब फिल्मों को कला के रूप में देखा जाएगा, तभी यह उद्योग विकसित हो सकता है। राजस्थानी फिल्मों में पारंपरिक संगीत, वाद्य और नृत्य को फिल्मों में शामिल करने को प्रोत्साहन देने की फिल्म नीति में व्यवस्था होनी चाहिए। पर्यटन के लिए तो राजस्थान खुद ही अपना ब्रांड है। अब जरूरत है कि फिल्म नीति उसे आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। इसलिए राजस्थान को अपनी भाषा की फिल्मों की जरूरत है जिनमें यहां की कला और संस्कृति दर्ज हो सके तथा युवाओं को रोजगार और कौशल देने वाली क्रिएटिव इकोनॉमी विकसित हो सके।

पर्यटन के लिए तो राजस्थान खुद ही अपना ब्रांड है। अब जरूरत है कि फिल्म नीति उसे आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। इसलिए राजस्थान को अपनी भाषा की फिल्मों की जरूरत है जिनमें यहां की कला और संस्कृति दर्ज हो सके तथा युवाओं को रोजगार और कौशल देने वाली क्रिएटिव इकोनॉमी विकसित हो सके।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

न्याय एवं अधिकार की संकल्पना में अधिवक्ता महत्वपूर्ण कड़ी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती व अधिवक्ता दिवस विशेष.....

मनोज कुमार

- **आजादी के आंदोलन में अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण स्थान, अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदे से बचाया**
- **वर्तमान में उपभोक्ता संरक्षण क़ानून से पीड़ित उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय दिला रहे हैं**

देश के संविधान की रोशनी में न्यायप्रिय शासन व्यवस्था की चाहत रखने वाले हरेक भारतीय के लिए और विशेष रूप से अधिवक्ताओं के लिए दो दिसम्बर अपने संवैधानिक दायित्व एवं अधिकारों पर मनन करने का दिवस है। देश के प्रथम राष्ट्रपति और प्रख्यात एडवोकेट डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस के मौके पर देशभर में अधिवक्ता दिवस मनाया जाता है।

3 दिसंबर 1884 को जन्में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने चंपारण सत्याग्रह, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ों आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और कई बार जेल गए। बहुत कम लोगों को मालूम है कि लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान-जय किसान' के नारे से एवं डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की हरित क्रांति से बहुत पहले डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश की अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री रहते हुए 'अधिक अन्न उगाओ' का नारा दे चुके थे।

कई बार यह सवाल पूछा जाता है कि इस देश में अधिवक्ताओं का इतना सम्मान क्यों है? इसका बड़ा ही सरल सा जवाब है कि भारत की स्वतंत्रता में अधिवक्ताओं का विशेष योगदान रहा है। जितने भी प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी हुए, उनमें से अधिकांश अधिवक्ता ही थे। ये वही अधिवक्ता थे, जिन्होंने असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों की निरूशुल्क पैरवी कर उन्हें तत्कालीन अंग्रेज सरकार के क्रूर फांसी के फंदे से भी बचाया।

अब क्योंकि अंग्रेज सरकार का शासन तो समाप्त हो गया है, लेकिन फिर भी शोषण की प्रवृत्ति अभी भी अवचेतन मन में बची हुई है। इसी कड़ी में उपभोक्ताओं के साथ अनुचित व्यापार-कार्य व्यवहार के फंदे से बचाने में अधिवक्तागण आज भी अपना अहम योगदान दे रहे हैं। यही वजह है कि देश-प्रदेश में उपभोक्ता जागरूकता लगातार बढ़ रही है। अकेले झुंझुनूं जिले में गत 2 वर्ष में ढ़ाई हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करवाना तभी सम्भव हो पाया है, जब अधिवक्ताओं ने सकारात्मक रूप से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की खूबसूरती को धरातल पर लागू करने में आगे बढ़ कर सहयोग किया है।

दरअसल उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम अपने आप में ऐसा संपूर्ण अधिनियम है जिसके दायरे में हर वो व्यक्ति शामिल है, जिसने वस्तु या सेवा क्रय पर रसीद ली है। इस कानूनी अधिकार के असली नायक/सेनापति का दायित्व अधिवक्ता ही निभाते है,तभी उपभोक्ताओं को न्याय मिल पाना सम्भव हुआ है। साथ ही अधिवक्तागण समय-समय पर उपभोक्ता हितों की पैरवी कर सही मायने में मजबूत लोकतंत्र का अहसास भी करवाते हैं।

वर्तमान समय की कसौटी में मजलूमों, पीड़ित-शोषित को न्याय दिलाने में अधिवक्ता को न्याय व्यवस्था का मेरुदण्ड कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति नहीं है। यों कहा जा सकता है कि सम्पूर्ण न्याय तभी सम्भव है, जब अधिवक्ता की मौजूदगी है। देश की जंग-ए-आजादी में आगे बढ़ कर कुर्बानी देने का गौरवशाली इतिहास अधिवक्ता समुदाय का रहा है। वहीं अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदों से बचाने में निस्वार्थ रूप से अहम भूमिका भी अधिवक्ताओं ने बखूबी निभाई है और भारतीय संविधान को बनाने में अधिवक्ताओं का अतुलनीय विशेष योगदान रहा है। हमारे देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था की मजबूती व खूबसूरती को उच्चतम मुकाम पर रखने में अधिवक्ता समुदाय का अकल्पनीय कार्य व्यवहार आज भी अंतिम पंक्ति में खडे भारतीय के दिलोदिमाग़ में संविधान व न्याय के प्रति अटूट विश्वास जगाता रहता है। संविधान की पवित्रता से सराबोर विधि एवं न्याय में विश्वास रखने वाले विद्वान अधिवक्ताओं व आमजन को अधिवक्ता दिवस की असीम शुभकामनाएं।

प्यारे मुल्क भारत के प्रथम राष्ट्रपति महान कानूनविज्ञ स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को कोटि-कोटि नमन। वन्दन।।

मनोज कुमार, अध्यक्ष,
उपभोक्ता आयोग, झुंझुनूं

मारवाड़ का ही नहीं, राजस्थान का भी गौरव बढ़ाया था फिल्म अभिनेता 'सज्जन' ने

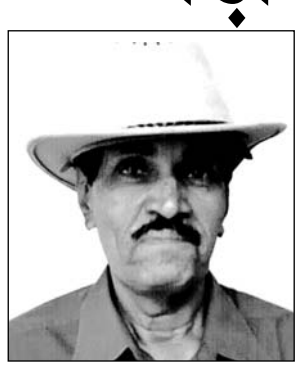

मिश्रीलाल पंवार

जोधपुर की धरा जहां वीरों की भूमि रही है वहीं राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में भी पहचानी जाती है। यहां ऐसे अनेक कलाकार भी हुए, जिन्होंने अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन कर मारवाड़ का ही नहीं, राजस्थान का गौरव बढ़ाया। ऐसे ही कलाकारों में 'सज्जन' एक उच्च कोटि के अभिनेता हुए हैं। सज्जन ने हिन्दी फिल्मों में अपनी प्रतिभा के बलबूते अलग ही पहचान बनाई। उन्होंने अधिकतम फिल्मों में चरित्र अभिनेता की भूमिका निभाई। कई बार अपने अभिनय से इतना प्रभाव छोड़ते कि फिल्म के दूसरे कलाकार उनके सामने बौने नजर आते। उन्होंने उस जमाने के सभी निर्माता निर्देशकों के साथ काम किया।

इनका पूरा नाम सज्जन लाल पुरोहित था। सज्जन का जन्म 15 जनवरी 1921 को जोधपुर में पुष्करणा ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इन्होने जोधपुर के जसवंत कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। इनके घरवाले इन्हें वकील बनाना चाहते थे। इसलिए वकालत करने के लिए इन्हें कलकत्ता भेज दिया। कलकत्ता उन दिनों फ़िल्म निर्माण का भी बड़ा केंद्र था। अभिनय का इन्हें बचपन से शौक था। इसलिए वकालत की पढ़ाई करते ये कलकत्ता में फ़िल्मों की तरफ़ आकर्षित हो गए। सज्जन ने फ़िल्मों में काम करना शुरू कर दिया। पहले एक्स्ट्रा कलाकार के तौर पर काम किया । बाद में छोटे-छोटे डायलॉग्स वाले किरदार भी मिलने लगे। वे अभिनेता, नाटककार, कवि और बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार थे। जो एक बार उनसे मिलता, उनकी कलाकारी का कायल हो जाता।

कुछ समय बाद वे कलकत्ता छोड़कर बंबई आ गए। बंबई में इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर किदार शर्मा ने सज्जन को अपना असिस्टेंट बना लिया। उस वक्त राज कपूर भी किदार शर्मा के असिस्टेंट हुआ करते थे। सज्जन को लेखन का भी शौक था। बंबई में सज्जन ने कुछ फ़िल्मों के लिए संवाद लेखन का काम भी किया था। कुछ समय किदार शर्मा के साथ काम करने वाले के बाद सज्जन गजानन जागीरदार के असिस्टेंट बने। कहते हैं उन्हें 35 रुपए महीना की तनख्वाह मिलती थी। वो नौकरी इन्होंने काफ़ी वक्त तक की थी। सज्जन ने 150 से अधिक फिल्मों और टीवी शो में काम किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1941 में मासूम फिल्म से एक अतिरिक्त कलाकार के रूप में की थी और 1948 में धन्यवाद से मुख्य अभिनेता के रूप में अभिनय किया था। रामानंद सागर की फिल्म आंखें में उनके साथ काम किया था। इस फिल्म के बाद से ही सज्जन की अदाकारी रामानंद सागर के जेहन में बस गई थी। जब रामानंद सागर के मन में की वीं सीरियल विक्रम और बेताल बनाने का ख्याल आया, तब उन्होंने बेताल के किरदार के लिए सज्जन को चुना। सज्जन ने भी देर न करते हुए सीधे हां कह दिया।

सीरियल में विक्रम की भूमिका अरुण गोविल ने निभाई थी, जो आगे चलकर टीवी के श्रीराम बने। वहीं, सज्जन ने बेताल बन दर्शकों के बीच अलग ही छाप छोड़ी। यह भारत का पहला ऐसा शो था, जिसमें टीवी पर स्पेशल इफेक्ट्स दिखाए गए थे। डरावनी शक्ल और बड़ी आंखें और लंबे सफेद बालों वाले बेताल का लुक उस जमाने में लोगों के बीच रोमांच पैदा कर रहा था। बेताल द्वारा बोला गया डायलॉग तू बोला, तो मैं चला जा रहा हूं। मैं तो चला। आज भी लोगों के जेहन में बसा हुआ है।

1985 में प्रसारित होने वाला टीवी शो विक्रम और बेताल पूरे देश का ध्यान खींचने में सफल रहा था। टीवी शो विक्रम और बेताल के साथ एक अन्य शो लेना-देना में काम किया। सज्जन ने अपने करियर की शुरुआत मासूम (1941), चौरंगी (1942) जैसी फिल्मों में बतौर एक्स्ट्रा कलाकार की थी। उन्होंने मीना (1944) के संवाद और दूर चलें (1946) और धन्यवाद (1948) के गीत भी लिखे।

1950-60 के दशक में इस बहुमुखी अभिनेता ने सैयां, रेल का डिब्बा, बहना, शीशा, मालकिन, निर्मोही, कस्तूरी, मेहमान, लगन, गर्ल स्कूल, परिधान, दो दूल्हे, घर-घर में दिवाली, हा-हा-ही-ही-हू-हू, पूनम झांझर, हल्ला- गुल्ला जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया।

60 के दशक में इस बहुमुखी अभिनेता ने सैयां, रेल का डिब्बा, बहना, शीशा, मालकिन, निर्मोही, कस्तूरी, मेहमान, लगन, गर्ल स्कूल, परिधान, दो दूल्हे, घर-घर में दिवाली, हा-हा-ही-ही-हू-हू, पूनम झांझर, हल्ला- गुल्ला जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। 1967 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म फ़र्ज़ ने उस जमाने में सूपर डूपर रही थी। फ़र्ज़ फ़िल्म में अभिनेता सज्जन ने विलेन का किरदार निभाया था। फिल्म की नायिका बबीता थी। सज्जन ने उनके पिता दामोदर बने। फिल्म की कहानी के अनुसार, दामोदर को एक राष्ट्रद्रोही एक खलनायक के रूप में दिखायागया था। दामोदर भारत को नष्ट करने की साजिश रचने वाले विदेशी एजेंटों के साथ मिला होता है।

इस फिल्म में सज्जन ने अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया।

फ़िल्मों में तो ये कोई 50 साल तक सक्रिय थे। मगर टीवी पर इन्होंने एक बार ही काम किया था। और उस एक बार में ही इन्हें लोकप्रिय के शीर्ष तक पहुंचा दिया। टीवी जगत में भी इनका नाम अमर हो गया। फ़िल्मी दुनिया में वे सिर्फ़ सज्जन के नाम से जाने जाते थे। सन 2000 में 17 मई के दिन करीब 79 साल की उम्र में सज्जन का निधन हो गया। उस दिन हर फिल्म दर्शक की आंख नम थी। पूरा जोधपुर शोक में डूबा रहा।

- मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)।

गौतस्कों से गौवंश को बचाने के लिए झारेडा गांव में गौशाला खोली

अलवर, (निसं)। कहते हैं गौ सेवा से सनातन में बड़ी सेवा नहीं और गौवंश की रक्षा के लिए अनेकों गौशालाएं एवं उन्हें गौतस्करों से बचाने के लिए अनेकों गौ रक्षक दल बने हुए हैं, जो अपनी जान पर खेलकर गोवंश की रक्षा करते हैं। इसी कड़ी में उद्योग नगर में एक नवयुवक ने अपनी करीब एक करोड़ की जमीन को गौ माता के नाम करते हुए एक गौशाला खोल दी, जिस पर वहां के नागरिकों ने युवक का आभार जताया। वहीं उद्योगपतियों व आम नागरिकों ने गौमाता के भरण पोषण का जिम्मा उठाया है। लेकिन इस पुनीत काम को लेकर कुछ लोग जो गौतस्करों के करीबी उन्हें यह गौशाला रास नहीं आ रही और वे उसे अवैध बताते हुए हटवाने की फिराक में है।

अलवर उद्योग नगर एमआईए मेवात क्षेत्र से सटा हुआ है और यहां से गौतस्करी जोरों से होती है, क्योंकि यहां ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण लोग अपनी गायों को चारा आदि के अभाव में लावारिस भटकने के लिए छोड़ देते हैं। इन घूमते गौवंशों पर तस्करों की निगाह होती है और वे उन गौवंशों को चोरी कर बूचड़खाने पहुंचा देते हैं। इन सभी को देखते हुए क्षेत्र के लोगों ने एक बैठक कर यहां एक गौशाला बनाने की सोची। इसी विचार को जान कर

- **एक करोड़ रुपये की बेशकीमती जमीन गौमाता के नाम कर गौसेवा में जुटा है पूरा परिवार**

क्षेत्र के युवा देसूला गांव के बीरू कुमार जो कि पेशे से पत्रकार भी हैं उन्होंने गौमाता की सेवा का बीड़ा उठाते हुए झारेडा में अपनी बेशकीमती जमीन गौमाता के नाम करते हुए यहां श्री श्याम गौशाला सेवा समिति खोल दी। बीरू कुमार की इस पहल का ग्रामीणों ने स्वागत किया और उसे हर प्रकार की सहायता मुहैया कराने का फैसला लिया। यह गौशाला पिछले करीब दो साल से लगातार काम कर रही है यहां करीब दर्जन भर से ज्यादा गाय है, जिनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी गौभक्तों द्वारा उठाई जा रही है। इधर लावारिस गौवंश का यहा घूमना बन्द हो जाने से गौ तस्करी से जुड़े कुछ लोगों का खर्चा पानी बंद हो गया तो उन्होंने इस गौशाला को बंद करवाने के लिए गौशाला को अवैध बताते हुए अनेकों जगह इसकी शिकायत कर डाली। इन सभी बातों की जब यहां के सरपंच मंगल सिंह सहित क्षेत्र के मौजिज लोगों को पता चली तो उन्होंने जिला प्रशासन को लिख कर दे दिया कि यह गौशाला क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है। यहां किसी प्रकार की लूट-खसोट नहीं है। इस गौशाला पर लोग अपनी मर्जी से चंदा या गायों का खाना देते हैं इस गौशाला का विरोध करने वाले खुद ही भ्रष्ट और गौतस्करों से मिले हुए हैं। गौशाला के समर्थन में सरपंच मंगल सिंह सहित भाजपा नेता जगदीश अटल, रूप सिंह केरवा, राजेन्द्र चौधरी डूमेडा, नरेन्द्र चौधरी, श्याम बिहारी चौधरी, विक्रम चौधरी, अजय प्रजापत, रतीराम झारेडा, हरि सिंह चौधरी, महेश चौधरी जातपुर सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 3 दिसम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र सायं 6:00 तक, परिद्य योग सायं 4:57 तक, तैतिल करण सायं 7:26 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:14 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 6:00 से सूर्योदय तक है। रवियोग सायं 6:00 तक है। आज भरणी कृत्तिक दीपम (द. भारत में)। आज कृषि शिक्षा दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:40 तक, शुभ 10:58 से 12:16 तक, चर 2:53 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बन सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सार-समाचार

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ में राजगढ हिसाार राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित गुलपूरा पूलिया के पास मंगलवार को एक दर्दनाक सडक हादसा हो गया, जिसमें सडक किनारे खडा एक व्यक्ति अपने साथी से बातचीत कर रहा था, उसी दौरान एक पिकअप वाहन ने सडक किनारे खडे दोनों व्यक्तियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मंगलवार शाम चार बजे मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान राजकुमार (50) जाति रैगर, निवासी वार्ड 27 हाल वार्ड 35, के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना का मौका निरीक्षण किया। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि इस सम्बंध में मृतक के पुत्र मनोज कुमार ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि मंगलवार सुबह 10 से 10.30 बजे के बीच उसके पिता राजकुमार अपने खेत से वापस घर लौट रहा था। जब वह गुलपूरा रोड स्थित निर्माणाधीन पुल को पार करके राजगढ की ओर बढा, तो वहां उसे महेन्द्र मेघवाल, निवासी वार्ड 27, सडक किनारे खडा मिला। दोनों सही दिशा में रास्ते के किनारे खडे होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक पिकअप चालक विकास पुत्र जयसिंह जाट निवासी बुंगी तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए वहां पहुंचा और दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महेन्द्र मेघवाल गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित के पुत्र मनोज कुमार ने पिकअप चालक विकास पुत्र जयसिंह जाट निवासी बुंगी पर लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कारित करने और जान लेने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में अचानक आग लगी, सामान जला

सादुलपुर (निसं)। राजगढ में पिलानी रोड पुलिया के पास स्थित एक घर में मंगलवार सुबह-सुबह शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते घर में धुआँ भर गया और आग तेजी से फैलने लगी। घटना के समय घरवाले गहरी नींद में सो रहे थे, लेकिन पडोसी की सतर्कता और समय रहते दी गई सूचना ने बडा हादसा होने से टाल दिया। दोपहर॰2 बजे मिली जानकारी के अनुसार जैसे ही पडोसी ने घर से उठता घना धुआँ देखा, उन्होंने जोर-जोर से आवाज लगाकर परिवार के सदस्यों को जगाया। आंख खुलने पर परिवार ने देखा कि कमरों में धुआं ही धुआं फैल चुका था। सभी लोग तुरंत बाहर निकले, जिससे उनकी जान बच गई। आसपास के लोगों ने मिलकर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घर में रखा काफी सामान, कपडे और अन्य जरूरी चीजें जलकर खाक हो चुकी थी। हालांकि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन घर का बडा नुकसान हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पडोसी समय पर न जागते, तो बडा नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना पर दमकल विभाग को भी देनी चाही मगर दमकल का नंबर ही नहीं लगा, लेकिन सतर्कता के चलते जनहानि नहीं हुई।

अस्पताल परिसर से बाइक चोरी

पाटन (निसं)। पाटनवाटी क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी का एक ताज़ा मामला एक दिसम्बर को सामने आया, जब पाटन तहसील के गांव बाबन्द की ढाणी निवासी जयप्रकाश यादव की मोटरसाइकिल अस्पताल परिसर से चोरी हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी जयप्रकाश यादव अपनी होंडा सीडी 110 ड्रीम (नंबर- 35 7064, रंग- काला) मोटरसाइकिल को सुबह लगभग 9:00 बजे अस्पताल के अंदर पार्क कर ड्यूटी पर चले गए। दोपहर 3:00 बजे अस्पताल बंद होने पर जब वे घर जाने के लिए पार्किंग में पहुँचे, तो उन्होंने पाया कि उनकी बाइक वहां से गायब थी। पीड़ित ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन वाहन का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद प्रार्थी ने तत्काल पुलिस थाना पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया है कि मामले की गम्भीरता को देखते हुए अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, लेकिन पाटन पुलिस ने मामला दर्ज करना भी उचित नहीं समझा। बड़ी विडंबना है कि चोरी गई बाइक की रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू करना था परन्तु पुलिस ने प्रकरण को ठंडे बस्ते में डाल कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है।

नीमकाथाना में एसआईआर का कार्य शत प्रतिशत हुआ

सीकर (निसं)। नीमकाथाना में एसएआर का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण होने पर उपखंड अधिकारी राजवीर यादव ने बीएलओ संग जमकर डांस किया। बीएलओ ने उपखंड अधिकारी राजवीर यादव को कंधों पर उठाकर जमकर डांस किया। नीमकाथाना एसएआर का कार्य शत प्रतिशत करने वाला सीकर जिला में पहले नबर पर स्थान बनाया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ साख ने अधिकारियों का साफा और माला पहनाकर सम्मान किया। उपखंड अधिकारी राजवीर यादव ने सभी बीएलओ का आभार जताया और कहा जिस तरह सभी बीएलओ ने पूरी मेहनत से काम किया जिसकी बदौलत ही नीमकाथाना जिले में पहले स्थान पर है। उन्होंने बताया कि पूरे राजस्थान में एस आई आर का काम 4 नवंबर से शुरू किया जिसकी अंतिम तारीख 4 दिसंबर थी लेकिन इसको बढ़ाकर 11 सितंबर कर दी गई। नीमकाथाना विधान सभा में बीएलओ 4 दिसंबर से घर-घर जाकर फॉर्म वितरित किया ओर उन फॉर्मों को भरवाकर उनको एकत्रित करके उनकों ऑनलाइन करने का काम भी किया गया। ऑनलाइन का पूरा काम कंप्लीट पूरा कर लिया गया, जिसमें इस कार्य में जिन्होंने भी सहयोग किया उसका आभार जताया। इस दौरान नायब तहसीलदार देवीलाल चौधरी नगरपालिका ईओ रंजीत चौधरी सहित अनेक अधिकारी ओर कर्मचारी मौजूद रहे।

'सिद्धमुख में नया बस स्टैंड बनेगा'

सादुलपुर (निसं)। सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के सिद्धमुख कस्बे में तहसील कार्यालय के सामने नया रोडवेज बस स्टैंड बनने जा रहा है। कस्बे के भामाशाहों द्वारा भूमि आवंटित किए जाने के बाद लोकेशन से संबंधित नक्शा सहित सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली गई है। जल्द ही बस स्टैंड का निर्माण कार्य आरंभ होगा। मंगलवार दोपहर अढाई बजे मिली सूचना के अनुसार भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा पूनिया ने बताया कि यह नया बस स्टैंड सिद्धमुख कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा, विकास और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इसे क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग की बडी उपलब्धि बताया। सुमित्रा पूनिया ने सिद्धमुख के सभी भामाशाहों और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सकारात्मक सोच और सहयोग से यह महत्वपूर्ण कार्य संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और समर्थन से वह क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में निरंतर काम कर रही हैं। इस परियोजना के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी तथा उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का विशेष धन्यवाद जताया।

न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया

बीदासर (निसं)। जोधपुर के कुडी भगतासनी थाने में अधिवक्ता भरतसिंह राठौड़ व अन्य सहयोगी अधिवक्ताओं के साथ कुडी थानाधिकारी द्वारा अभद्र व्यवहार और मारपीट करने को लेकर बीदासर में अधिवक्ताओं ने रोष जताते हुए न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने बार संघ अध्यक्ष अरविंद चौधरी के नेतृत्व में सिविल न्यायालय के बाहर जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर बार संघ के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल प्रजापत, रघुवीर भामूं, एडवोकेट मोहम्मद शाहिद सोलंकी, सज्जन चोटियां, परमानंद बिजारणियां, आरती डूंखवाल, आमीन शेख, ईरफान सोलंकी, अख्तर सोलंकी, वसीम कानूनीया, गोविंद जाखड़, रजत पाण्डेय, तिलोक पिलानिया सहित अनेक अधिवक्तागण मौजूद थे।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे

बीदासर (निसं)। पार्वती देवी राठी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दरीबा में मंगलवार को सुप्रीम फाउंडेशन जसवंतगढ़ की ओर से कक्षा 1 से 5 तक के 20 नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य मेघराज गोसाईंवाल, मुरलीधर, दीपचंद, जय सिंह, मनोज जाखड, बजरंगलाल, लक्ष्मण दर्जी, प्रतिमा सहित अन्य शिक्षक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

छात्रा को रास्ते में रोककर छेड़छाड़ करने का वांछित आरोपी गिरफ्तार

पाटन में छात्रा को रास्ते में रोककर छेड़छाड़ करने और अश्लील हरकत करने वाले वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्त में लिया।

पाटन (निसं)। पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा संचालित वांछित आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत डाबला थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

पढ़ने जा रही छात्रा को रास्ते में रोककर छेड़छाड़ करने और अश्लील हरकत करने वाले वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक सीकर प्रवीण नायक नूनावत द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना लोकेश मीणा तथा वृत्ताधिकारी सुशील मान के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी मनोज कुमार (पु.नि.) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह गिरफ्तारी की।

दीपक कुमार निवासी गांवली ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि उसकी चचेरी बहन दीपीका जिलोवा पढ़ाई के लिए नीमकाथाना जाती है। 6 अगस्त को वह जब नीमकाथाना से घर लौट रही थी, तभी गांवली स्टैंड पर योगेश मीणा पुत्र मगनीराम तथा सचिन मीणा पुत्र राकेश मीणा ने उसे रोककर जबरन एक पर्ची देकर मोबाइल नंबर देने की कोशिश की। इंकार करने पर आरोपियों ने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की तथा जान से मारने की धमकी भी दी। घटना 8 अगस्त को दर्ज हुई थी, जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। डाबला पुलिस ने आरोपी की तलाश हेतु विशेष टीम गठित की। कॉल डिटेल, लोकेशन तथा तकनीकी आसूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी योगेश कुमार मीणा (26), निवासी गांवली, थाना डाबला को गिरफ्तार कर लिया। टीम में थानाधिकारी मनोज कुमार, हैड कांस्टेबल जगरूप सिंह, कांस्टेबल प्रदीप, राजेश कुमार शामिल रहे। पुलिस के अनुसार आरोपी योगेश मीणा पर पहले भी पाटन थाना व डाबला थाना में दो-दो प्रकरण दर्ज हैं। मामले का अनुसंधान जारी है।

आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। सेठ नेतराम मघराज टीबडेवाला राजकीय महिला महाविद्यालय, झुंझुनूं में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर की सेमेस्टर प्रणाली आधारित नवीन शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. प्रीतम सिंह ने छात्राओं को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विविध पाठ्यक्रमों, क्रेडिट सिस्टम, आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली एवं समग्र शिक्षा के उद्देश्यों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए नए सत्र में बेहतर तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य पितराम गोदारा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए अन्न की महत्ता पर प्रकाश डाला।

दो दिवसीय भजन संध्या और विशाल भंडारे की तैयारियां पूर्ण

- सीतसर बालाजी धाम में धार्मिक उल्लास का माहौल
- भजन-कीर्तन के साथ होगा प्रसादी का वितरण

झुंझुनूं, (निसं)। धार्मिक आस्था के पावन धाम सीतसर बालाजी मंदिर में हर माह की भांति इस माह भी शुक्ल पक्ष की तेरस एवं चौदस के अवसर पर दो दिवसीय भजन संध्या व विशाल भंडारे का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ होगा।

बुधवार एवं गुरुवार को आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का संचालन मंदिर के महंत पुष्करलाल पारीक के सानिध्य में संपन्न होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष पीएल शर्मा, सचिव सुरेश शर्मा एवं इंजीनियर रवि पारीक ने संयुक्त रूप से बताया कि कई वर्षों से निरंतर यह परंपरा जारी है। जिसमें भक्तजन बड़े हर्षोल्लास के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन एवं महाप्रसाद में सहभागिता निभाते आ रहे हैं। इस बार भी भक्तों के लिए विशाल भंडारे की तैयारी की गई है। जिसमें आने वाले सभी श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। जिनमें मुख्य रूप से हरिराम बुडानिया, कैलाशचंद्र जांगिड, बंटी कुमार गोलवा, केशरदेव आचार्य गोलवा, निरंजन शर्मा भुकाना, कैलाश ठेकेदार नीमकाथाना, शिशपाल ठिमोली, विक्रम सिंह बोला, मदनलाल सीतसर, मंगेज चावला, अंकित शर्मा, मनोज कुमार बुगालिया, विकास पारीक, नीकू पारीक, चीकू पारीक, नरेश पारीक, हिमांशु पारीक, बहादुरमल सीतसर, रविंद्रसिंह कटारिया आदि सदस्य सक्रिय योगदान दे रहे हैं। दो दिवसीय इन धार्मिक आयोजनों को लेकर क्षेत्र में हर्ष का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं ने परिवार सहित भजन-कीर्तन का आनंद लेने एवं प्रसाद का लाभ उठाने का आव्हान किया गया है।

मंगला पशु बीमा योजना को लेकर शिविरों का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। इस बार मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में पशुओं का बीमा करवाने के लिए पशुपालकों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछली बार की कमियों को दुरूस्त करते हुए सरकार ने पशुपालकों को तुरंत ही बीमा सर्टिफिकेट देने का कार्यक्रम बना लिया है। जिसके बाद पशुपालकों में उत्साह है। दरअसल 21 नवंबर से प्रदेश में मंगला पशु बीमा योजना का दूसरा चरण शुरू किया गया है। जिसके तहत एक दिसंबर से झुंझुनूं जिले में राजस्व गांव और वार्डवार कैंपों का आयोजन किया गया है।

इसी क्रम में सोमवार को आबूसर गांव में कैंप का आयोजन किया गया। जिसका निरीक्षण पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. शिवकुमार सैनी ने किया। संयुक्त निदेशक डॉ. शिवकुमार सैनी ने पशुपालकों के रजिस्ट्रेशन से लेकर उन्हें सर्टिफिकेट दिए जाने की पूरी प्रक्रिया की धरातली सच्चाई देखी और टीम को निर्देशित किया कि बिना कोई देरी के पशुपालकों के दुधारू पशुओं का बीमा किया जाए। डॉ. सैनी ने बताया कि पिछली बार पहले चरण में जिले में करीब 46 हजार से ज्यादा पशुओं का बीमा किया गया था। लेकिन कुछ ऐसे पशुओं का बीमा भी हो गया। जो दुधारू नहीं थे। इस योजना में सिर्फ दुधारू पशुओं का ही बीमा होना है। इस बार जिले को 50 हजार 100 पशुओं का लक्ष्य दिया गया है। जिनमें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पशुओं का बीमा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट और सर्वे की टीम को एक साथ ही लगाया गया है। ताकि पशु का पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचकर जब हेल्थ सर्टिफिकेट जारी की। उसी वक्त सर्वे का काम कर रही कंपनी तुरंत सर्वे पूरा कर बीमा कंपनी को रिपोर्ट कर दे। सर्वे कंपनी की रिपोर्ट के तुरंत बाद ही सर्टिफिकेट जारी हो रहे है। इस बार पशुपालकों को बीमा सर्टिफिकेट के लिए कोई इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने बताया कि अप्रेल माह तक के कैंपों की शेड्यूलिंग की गई है।

लाछड़सर राजकीय विद्यालय में भामाशाहों का सम्मान किया

राजलदेसर (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत लाछड़सर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाहों का सम्मान समारोह रखा गया प्रधानाचार्य राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि इन भामाशाहों ने समय समय पर विद्यालय में भरपूर सहयोग किया है पिछले महीने में 69वीं राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पूरे गांव के भामाशाहों के सहयोग से ही हुआ है। इस अवसर पर गाँव के ज्ञानाराम बिस्सू , जगदीश सहू सरपंच प्रतिनिधि, कानीराम पारीक , सत्यनारायण सारण, आसुराम बिस्सू, मनीराम बिस्सु, गोरधन बिस्सु, ज्ञानाराम बिस्सु, भंवर दस, उदादास स्वामी, श्याम बिस्सु, दुलाराम सऊ, सोहन राम जांगू, देदाराम बिस्सु, नौरंग शीला, भगवान शर्मा, पदमाराम भुआल, सुरजाराम बिस्सु, हेतराम सिहाग, पेमाराम बिस्सु, सीताराम जांगू और स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे प्रधानाचार्य व स्टाफ द्वारा सभी भामाशाहों को सम्मानित किया गया।

कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत लाछड़सर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाहों का सम्मान समारोह रखा गया।

बालाजी अखाराम दादोजी मन्दिर जाने का रास्ता खुलवाने की मांग

राजलदेसर (निसं)। कस्बे के वरिष्ठ भाजपा नेता परमेश्वर लाल घोड़ेला ने हस्ताक्षर युक्त पत्र केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर अवगत करवाया की राजलदेसर उतर में गांव भरपालसर और दक्षिण में गांव भावनदेसर पडता है। दोनों गाँव की आबादी ज्यादा है और दोनों गांव के किसानों के खेत रेल्वे लाइन के उतर व दक्षिण में पड़ते है। रेल लाइन के पास राजकीय विद्यालय है जिसमें किसानो के बच्चे पढ़ने आते है। साथ ही बालाजी मन्दिर संतोषी माता मन्दिर पास होने के कारण आवागमन होता रहता है। रेल्वे लाइन के पार इस रास्ते से आबादसर, छाजूसर, भरपालसर भावनदेसर, गोपालपुरिया के किसानों का आवागमन होता है। ब्रॉडगेज के कन्वर्जन के पहले मीटरगेज लाइन निची होने के कारण पिछले 100 सालों से जनता इस रेल लाइन को मजबूरी मे ट्रैक पार करती आ रही थी। ब्रॉडगेज की पटरियां ऊँची होने कि वजह से लोगो का आवागमन ही बन्द हो गया है। लोगो को अपने साधन ले जाने के लिए एवं आवागमन के लिए या तो पायली या राजलदेसर फाटक जाकर पार करना पड़ता है जो लोगो के लिए परेशानी का सबब है। इन गाँवों के किसान अपनी मजबुरी मे रेल्वे लाइन ट्रैक पार करते है जिससे आये दिन रेल गाड़ी की संख्यों ज्यादा होने की वजह से दुर्घटना संभावना बनी रहती है। ओर ट्रैक पार करने पर रेल्वे की ओर से मुकदमें होने की संभावना बनी रहती है। कस्बा राजलदेसर में रेल्वे विभाग द्वारा बाउंड्री (दीवार) बनाकर कस्बे के अन्दर आने वाले आम रास्तों व आवागमन के रास्तों पर भी रेल्वे द्वारा दिवार बनाकर बन्द किया जा रहा है जिस कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के लोगों की परेशानियों को व धार्मिक भावनाओं को देखते हुए रास्ता खुलवाए। पत्र पर मनोज, ओमप्रकाश, मदनलाल, गोपाल प्रजापत, सूरजमल शर्मा , नरपत सहित अन्य व्यक्तियों के हस्ताक्षर शामिल थे।

सार-समाचार

किसान जागृति यात्रा शुरू

सुजानगढ़ (निसं)। भारतीय किसान संघ चूरू की ओर से मंगलवार को सुजानगढ़ के कानूता से किसान जागृति यात्रा के तहत भगवान बलराम रथ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। संघ के पदाधिकारियों ने पूजा अर्चना कर रथ को रवाना किया। संघ के तहसील अध्यक्ष पृथ्वी सिंह ने बताया कि यह रथ पूरे चूरू जिले में घूम कर किसानों को जिले में नहर का पानी लाने, पानी बचाने, पेड़ों और प्रकृति का संरक्षण करने, नशामुक्ति और प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देगा। इसके बाद 8 मार्च को चूरू जिला मुख्यालय पर किसान शक्ति संगम होगा। रथ की शुरुआत पर कानूता के गुवाड़ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्रचारक शंकरलाल मौजूद थे। कार्यक्रम में जिले भर से आए संघ के पदाधिकारियों ने सम्बोधित किया। मुख्य अतिथि शंकरलाल ने अपने सम्बोधन में उत्तम खेती, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने, गोमूत्र के उपयोग, गौ आधारित खेती करने व पेड़ों के संरक्षण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कानपुरी महाराज, सुरजीत नाथ, ग्राम विकास प्रमुख सतीश कुमार, प्रांत महामंत्री सांवरमल सोलेट, प्रांत मंत्री श्रीचंद सिद्ध, प्रांत महिला प्रमुख मनीता स्वामी, जिलाध्यक्ष मुकेश रामपुरा, जिला मंत्री चुन्नीलाल प्रजापत, परत नाथ, शैतान गुर्जर, ईश्वर महला, अनिल भाकर, हरिराम सैनी, शार्दूल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटेंगे

झुंझुनूं, (निसं)। नगर परिषद झुंझुनूं ने शहर के मुख्य और व्यस्त मार्गों पर से रेहडी वालों और व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने का विस्तृत अभियान शुरू करने की घोषणा कर दी है। यह अभियान न केवल यातायात को सुगम बनाएगा, बल्कि हादसों की संभावना को भी कम करेगा। नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचलिया ने बताया कि मुख्य स्थानों पर रेहड़ी, ठेला और अन्य सामान रखकर रास्ते को बाधित करने से आम आदमी को भारी परेशानी होती है। यह स्थिति यातायात के लिए बाधा उत्पन्न करती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाती है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए राजस्व अधिकारी अंग्रीश कुमावत के नेतृत्व में अली हसन और अन्य सफाई निरीक्षकों की टीम ने अतिक्रमण वाले स्थानों का चिह्नांकन किया। मौके पर ही अतिक्रमणकारियों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए समझाया गया। अगर अतिक्रमणकारियों द्वारा स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो अभियान चलाकर नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा और उनका सामान जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर के हवाई पट्टी सर्किल, रेलवे स्टेशन पीरूसिंह सर्किल, रोड नं. 1, 2, 3, कबाड़ी मार्केट, बाकरा रोड, गुढ़ा रोड, नया बस स्टैंड, पीपली चौक, मंडावा मोड़, नेहरू मार्केट, पुरानी सब्जी मंडी, रोडवेज बस डिपो आदि क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा।

पंच-गौरव कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

सीकर (निसं)। पंच-गौरव कार्यक्रम की समीक्षा बैठक मंगलवार को रतन कुमार स्वामी अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार द्वारा पर्यटन विभाग द्वारा बजट व्यय की कार्ययोजना के बारे में विस्तृत समीक्षा की गई। पंच गौरव में एक जिला एक पर्यटन स्थल में प्रमुख धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी के लिए दर्शनार्थियों के लिए जगह-जगह साइनेजेज, बोर्ड लगाने के लिए निर्देशित किया गया। इसी के साथ जिले में बास्केटबॉल खेल को बढावा देने के लिए नवीन बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण एवं जिमहॉल मय उपकरण के निर्माण के लिए कार्यकारी एजेंन्सी नगरपरिषद, सीकर को समय पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में जिसमें डॉ. अनिल कुमार शर्मा उपनिदेशक, सांख्यिकी विभाग, अनु शर्मा सहायक निदेशक पर्यटन विभाग, प्रकाश राम जिला खेल अधिकारी, सविता बाटड़ लेखाधिकारी, प्रवीण कुमार बगडिया, सहायक अभियन्ता, नगरपरिषद, सीकर, ओमप्रकाश, अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका खाटूश्यामजी द्वारा पंच गौरव कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय कमेटी के सदस्यों द्वारा भाग लिया गया।

झुंझुनूं में समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद अटकी

झुंझुनूं, (निसं)। 24 नवंबर से शुरू हुई झुंझुनूं जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद पिछले दो दिनों से नहीं हो पा रही है। कारण है भंडारण की समस्या। जी, हां 24 नवंबर से शुरू हुई खरीद के मूंग और मूंगफली खरीदी जा रही है। लेकिन मूंग की आवक ज्यादा होने से झुंझुनूं के कृषि उपज मंडी में अब मूंग की खरीद बंद कर दी गई है। पहले से जिन किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था। उनके मोबाइल पर सरकार की ओर से मैसेज भी आ गया। मैसेज के अनुसार मूंग बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों की मूंग खरीद ना होने से उन्हें खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में किसानों ने कहा कि यदि मूंग खरीद नहीं की जा रही तो सरकार की ओर से मैसेज देना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया। अब वे गाड़ी में मूंग लेकर आ गए है। जिससे उनका गाडी और पलदारी का खर्चा लग गया। अभी भी यह तय नहीं कि मूंग खरीद कब होगी। इधर, इंचार्ज महेश कुमार ने बताया कि गोदाम अब तक अलॉट नहीं किया गया है। इसलिए जो अब तक मूंग खरीदा। उसे गोदाम में रखवाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। जब तक गोदाम की व्यवस्था नहीं होगा। मूंग खरीद नहीं की जाएगी। मूंग की आवक अधिक होने के कारण यह समस्या सिर्फ मूंग खरीद पर हो रही है। मूंगफली खरीदी जा रही है।

रामवीर सिंह राईका कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश महासचिव बने

रतनगढ़ (निसं)। पार्टी ने संगठन सुदृढ़ीकरण की दिशा में अहम कदम उठाते हुए रामवीर सिंह राईका को राजस्थान कांग्रेस ओबीसी विभाग का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। राईका की नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। पार्टी ने उनके संगठनात्मक कौशल, युवाओं में पकड़ और जमीनी जुडाव पर विश्वास जताया है। राईका इससे पहले छात्र संघ अध्यक्ष, नगर पालिका मनोनीत सदस्य, तथा विमुक्त-घुमंतु बोर्ड के पूर्व सदस्य सहित कांग्रेस संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हऐं। नियुक्ति पर उन्होंने एआईसीसी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जय हिन्द, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, संगठन महासचिव ललित तूनवाल, रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। राजकीय बीडीके आयुर्वेद अस्पताल झुंझुनूं में गुदा मार्गिया रोगों का निदान और उपचार शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसमें कुल 87 मरीजों का उपचार किया गया और अर्श एवं विबंध के 42 मरीजों का रजिस्ट्रेशन 15 दिसंबर से 24 दिसंबर तक मलसीसर रोड पर एक निजी कॉलेज में आयोजित होने वाले अर्श भगंदर, फिशर विषयक क्षार सूत्र शिविर के लिए किया गया। उक्त शिविर में डॉ. महेश माटोलिया, डॉ. मोनिका शर्मा, वरिष्ठ नर्स मेहरबानी, कनिष्ठ नर्स कमलेश, परिचारिका पूनम बाई, सुनिल डोटासरा, योग प्रशिक्षक मनीष शर्मा, डाबर प्रतिनिधि इनायत, एआईएमआईएल प्रतिनिधि भूपेंद्र, चरक प्रतिनिधि इसाक ने अपनी सेवाएं दी।

कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0

E-Mail : nagarpalikabidasar@gmail.com Phone No. : 01560 – 262028

क्रमांकः–न.पा.बी / भूमि–शाखा / 2025–26 / 2804 दिनांक :– 28.11.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदकों ने आवासीय निर्माण स्वीकृति / नामान्तरण / उपविभाजन / कृशि भूमि से आवासीय पट्टा / 69–क पट्टा हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः आवेदनों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपति हो तो मय दस्तावेज के साथ 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर देवे समयावधि पश्चात कोई आपति मान्य नही होगीं।

पत्रावलियों का विवरण

क्र. स	नाम	भूमि का क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)	आस–पास का विवरण			
			उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1.	श्री कानाराम पुत्र श्री भंवरलाल जाट व श्रीमती निर्मला देवी पत्नि श्री कानाराम जाति जाट निवासी वार्ड न. 34 कस्बा बीदासर ।	204.56 (69–क)	81'.9"	76'.0"	27'.6"	28'.8"
2.	श्रीमती खातुन बानों सोलंकी पत्नि श्री मोहम्मद हनीफ सोलंकी जाति सिलावट निवासी वार्ड न. 12 कस्बा बीदासर।	122.68 (निर्माण स्वीकृत)	65'0"	65'.0"	23'.0"	23'.0"
3.	श्री अनिल प्रजापत पुत्र श्री फूलचंद जाति प्रजापत निवासी वार्ड न.09 कस्बा बीदासर।	38.55 (निर्माण स्वीकृति)	20'.00"	20'.00"	26'.0"	26'.0"
4.	श्रीमती मोहनी देवी पत्नि श्री ओमपकाश जाति प्रजापत निवासी वार्ड न.09 कस्बा बीदासर ।	76.66 (निर्माण स्वीकृति)	45'.0"	45'.0"	12'.0"	12'.0"
5.	श्रीमती आचूकी देवी पत्नि श्री मनीराम जाति मेघवाल निवासी वार्ड न.33 कस्बा बीदासर ।	223.28 (कृषि नियमन)	78'.00"	77'.00"	31'.0"	31'.0"
6	श्री बीरबलराम पुत्र श्री खियाराम जाति जाट निवासी वार्ड न.04 कस्बा बीदासर	1394.05 (विभाजन नामातरण)	100'.0"	100'.0"	150'.0"	150'.0"

राज.संवाद / सी / 25 / 15022 अधिशाषी अधिकारी

दुकान पर बैठे युवक पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की, दो जने गंभीर घायल

दोनों गंभीर हालत में जयपुर रेफर, पुलिस ने पुरानी रंजिश का मामला बताया

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर के सबसे व्यस्त बाजार मालगोदाम रोड स्थित पुरानी थोक सब्जी मण्डी में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एक दुकान पर बैठे युवक पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में उमरी निवासी काडू पहलवान और महूकला निवासी जितेश शर्मा घायल हो गए। जितेश शर्मा फर्नीचर की दुकान पर शादी का सामान खरीदने आया था। वहीं काडू पहलवान अपने ऑफिस में बैठे हुए थे। वहां हमलावर ने काडू पहलवान पर फायर किए। काडू पहलवाल जान बचाने के लिए अपने ऑफिस से निकल कर फर्नीचर की दुकान की ओर भागा। इस दौरान बदमाशों ने उस पर आधा दर्जन फायर किए, लेकिन निशाना चुकने से व पास की ही फर्नीचर की दुकान में जा घुसा। हमलावरों ने वहां भी फायर किए। जहां फायरिंग की चपेट में फर्नीचर खरीदने आया महुकला निवासी जितेश शर्मा भी आ गया। फायरिंग के बाद हमलावर पैदल ही मौके से भाग छूटे। अचानक हुई फायरिंग से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। लोग काफी देर तक तो यहीं नहीं समझ पाए कि माझरा है।

फायरिंग की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

पुलिस टीम ने घटना स्थल पर जाकर जांच शुरु की।

प्रत्यदर्शियो ने बताया कि हमलावर मुंह पर काला कपड़ा बांधे हुए थे, जिनकी संख्या करीब चार से अधिक बताई जा रही है। वहीं यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। थानाधिकारी करण सिंह राठौर ने बताया कि काडू गुर्जर के सीने, हाथ के नीचे पेट और जांघ में गोली लगी है। जितेश के हाथ और पेट के बगल में छर्रे व गोली लगने की सूचना है। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काडू पहलवान की दूसरे पक्ष के लोगों से पुरानी रंजिश है। घायल काडू ने आरोप लगाया कि हिस्ट्रीशीटर कृष्णा बांसरोटा और उसके साथियों ने उसे कई दिनों से जान से मारने की धमकियां दी थीं। पहलवान ने यह भी आरोप लगाया कि फायरिंग बांसरोटा के इशारे पर कराई गई है। फायरिंग के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घायलों को तुरंत राजकीय अस्पताल

- **फायरिंग के बाद हमलावर पैदल ही मौके से भाग छूटे, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू, एफएसएल टीम को भी बुलाया**

ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। फायरिंग की सूचना पर एएसपी राकेश राजौरा, पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली थानाधिकारी करणसिंह राठौड़, उदेई मोड़ के थानाधिकारी राजवीर, सदर के रामरमण गुप्ता सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास की दुकानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके। एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जिसने मौके से कारतूस, खोखे और अन्य साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में रंजिश की बात सामने आ रही है। संभावित आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और पुलिस टीम आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है। जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस उपाधीक्षक गिर्राज प्रसाद मीना ने बताया कि मंगलवार को हुई फायरिंग की घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई है। एएसपी राकेश राजौरा के अनुसार घायल काडू गुर्जर पहलवान निवासी उमरी कृष्णा बांसरोटा का धुर विरोधी है, साथ ही दोनों ही थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। हालांकि पुलिस अज्ञात हमलावर को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने टीम गठित कर चारों तरफ नाकाबंदी करवाई है, जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

दुष्कर्म के बाद नाबालिग की हत्या

उदयपुर, (निसं)। नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने जीरो एफआईआर

- **जीरो एफआईआर दर्ज कर घटना स्थल गुजरात मेहसाणा पुलिस को भेजी**

दर्ज कर घटना स्थल पुलिस को रिपोर्ट भेजी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी प्रकाश खराड़ी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को ले गया। वापस नहीं लौटने पर 26 नवंबर को पडताल की तो पुत्री के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने की जानकारी सामने आई। इस पर जीरो एफआईआर दर्ज कर घटना स्थल गुजरात मेहसाणा पुलिस को रिपोर्ट भेजी।

विवाहिता ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना क्षेत्र में विवाहिता ने अपने मकान में फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सांय सविना थाना क्षेत्र बोखर मगरी निवासी इन्द्रा (32) पत्नी मांगीलाल गमेती ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इन्द्रा की दिमागी हालत ठीक नहीं रहती थी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फंदे से निचे उतार मृतका को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित करने पर उसे मोर्चरी में रखवा पीहर महाराज का अखाड़ा सूचना दी है, जिनके आने पर बुधवार को मृतका का पोस्टमार्टम होगा।

एक साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

अलवर, (निसं)। एक साल की मासूम बच्ची से रेप करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अलवर की पॉक्सो कोर्ट नंबर-3 की जज हिमांकनी गौड़ ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि एक छोटी सी बच्ची के साथ ऐसा घृणित काम 45 साल के व्यक्ति ने किया, ऐसे व्यक्ति को समाज में रहने कोई अधिकार नहीं है।

- **कोर्ट ने टिप्पणी की कि एक छोटी सी बच्ची के साथ ऐसा घृणित काम 45 साल के व्यक्ति ने किया, ऐसे व्यक्ति को समाज में रहने कोई अधिकार नहीं है**

सरकारी वकील सुनील कुमार ने बताया कि मामला 13 सितंबर 2025 का है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि वह अपनी बेटी को नहला रही थी। इस दौरान बच्ची खेलते-खेलते पड़ोसी के कमरे में चली गई। कुछ देर बाद बच्ची रोते हुए वापस आई। पड़ोसी से पूछा कि उसने क्या किया है। तब उसने कहा कि मेरा हाथ लग गया जिससे खून आ गया। महिला की सूचना पर पुलिस पहुंची। मामला दर्ज कर नक्शा मौका तैयार किया। पुलिस आरोपी को पकड़ा। करीब एक महीने बाद कोर्ट में चालान पेश किया। कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार के जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में 16 दस्तावेज और 11 गवाह पेश किए थे।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर में मेघवालों का मोहल्ला गोगुन्दा हॉल शहर के सविना थाना क्षैत्र सत्यदेव कॉलोनी निवासी विजय (35) कालुलाल मेघवाल ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पर सविना थाना हेडकांस्टेबल राजेन्द्र गुर्जर ने मौके पर पहुंच कर फंदे से विजय को निचे उतार एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले भीलवाड़ा आयेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। काफी समय बाद आर एस एस के दो बड़े पदाधिकारी दो दिन के भीतर भीलवाड़ा में आएंगे। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भीलवाड़ा में दौरे पर आ रहे हैं। भागवत तीन दिसंबर को भीलवाड़ा आएंगे। इस दौरान पहले बिजौलिया में निजी समारोह में भाग लेंगे। बताया जा रहा है कि आरएसएस के कार्यकर्ता के शादी समारोह में शिरकत करेंगे। उसके बाद शहर में आयोजित होने वाली एक बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक कुटुंब प्रबंधन कार्यक्रम को लेकर होगी। इसमें महत्वपूर्ण दायित्व संभालने वाले पदाधिकारी और उनके परिवारजनों के उपस्थिति रहेगी। मोहन भागवत तीन दिसंबर को ही भीलवाड़ा से अन्य कार्यक्रम के लिए रवाना हो जाएंगे। वहीं दत्तात्रेय होसबोले 4 दिसंबर को आर एस एस की समन्वय बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान आरएसएस के चित्तौड़ प्रांत से जुड़े 14 जिलों के महत्वपूर्ण पदाधिकारी बैठक में भाग लेंगे।

पत्नी से विवाद होने पर पति ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। आपसी विवाद में पत्नी के पीहर चले जाने पर पति ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को डिंगरी जयसमंद हाल सवीना प्रेमनगर निवासी मांगीलाल पुत्र पूना (32) ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। मांगीलाल चुनाई का काम करता था। पत्नी नारायणी से विवाद होने पर दो दिन पूर्व वह अपने पीहर अम्बामाता घाटी निवासी मां के पास चली गई थी। उसके जाने के बाद मांगीलाल ने फांसी लगा ली थी। मंगलवार को सास अपनी पुत्री नारायणी को छोड़ने के लिए आई तो मकान का दरवाजा खुला हुआ था एवं मांगीलाल फंदे पर लटका हुआ था। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई रामनाथ ने मौके पर पहुंचकर फंदे से निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करने पर उसे मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है, जिनके आने पर बुधवार को पोस्टमार्टम होगा।

सस्ता सोना दिलाने के नाम पर 60 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। विदेश से सस्ता सोना दिलवाने के नाम पर 60 लाख की ठगी के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी रामावतार जांगिड़ को डेगाना स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी के तीन बेटे और दोस्त मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

- **आरोपी के तीन बेटे और दोस्त मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं**

थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि सीकर के गोकुलपुरा निवासी नेमीचंद सैनी ने पुलिस थाने में 2024 में सुजानगढ़ के लोहारगाडा निवासी गोविंद, गौतम, गोपाल, रामावतार जांगिड़ और गजानंद के खिलाफ कोर्ट के जरिए नामजद मुकदमा दर्ज करवाया। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी गोविंद ने वॉट्सऐप पर कॉल करके उन्हें कहा कि उसका भाई गोपाल 30 सितंबर 2023 को विदेश से टैक्स पेड सोना ला रहा है। यदि नेमीचंद को सोना चाहिए तो वह भारत से सस्ता सोना ले सकता है। इस पर नेमीचंद ने गोविंद को कह दिया कि मुझे एक किलो सोना लेना है। तब सोने की मार्केट वैल्यू इंडिया में 64 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम थी। गोविंद और उसके पिता रामवतार जांगिड़ से कई बार बात होने पर 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के हिसाब से सोना देना फाइनल किया। 29 सितंबर 2023 को 8 बजे सीकर के सम्राट सिनेमा के पास आरोपियों ने 1 किलो सोने के 60 लाख रुपए मांगे तो नेमीचंद ने 10 लाख रुपए उस वक्त दे दिए और कहा कि जब सीकर लाकर सोना चेक कराओगे तब बकाया राशि का भी भुगतान कर देंगे। अगले दिन ही आरोपी सिनेमा हॉल के पास आए और फिर नेमीचंद को कॉल किया।

आरोपियों ने नेमीचंद से 50 लाख रुपए मांगे तब आरोपियों ने वापस वही बात कही कि आप पहले बकाया राशि दो, इसके बाद मार्केट में सोने की जांच करवा देंगे। ऐसे में नेमीचंद ने वहां 50 लाख रुपए और दे दिए। आरोपियों ने नेमीचंद को कहा कि सुबह 11 से 11:30 बजे के लगभग जाट बाजार आ जाए। वहां पर सोने की जांच करवा कर सोना दे देंगे। नेमीचंद जाट बाजार पहुंच गया लेकिन वहां पर आरोपी नहीं आए। काफी समय बीतने के बाद जब वह लोग जाट बाजार नहीं आए तो नेमीचंद ने उन्हें कॉल किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। नेमीचंद कई बार आरोपियों के घर गया लेकिन आरोपियों ने सोना नहीं दिया। करीब 9 महीने से ज्यादा का समय निकाल दिया और आखिर में जान से मारने की धमकी दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में इन्वेस्टिगेशन शुरू किया। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। पहले पुलिस ने मामले में तीन सगे भाई गोविंद, गौतम,गोपाल को गिरफ्तार किया। इसके बाद मामले में आरोपी गजानंद शर्मा की गिरफ्तारी हुई।

आरपीएससी : आरएएस-2024 साक्षात्कार में फर्जी दिव्यांगों पर शिकंजा कसा

अजमेर, (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस भर्ती परीक्षा-2024 के साक्षात्कार में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्रों के जरिए नौकरी हथियाने वालों पर शिकंजा कस दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आरएएस-2023 की तरह ही इस बार भी साक्षात्कार से पहले दिव्यांग अभ्यर्थियों की मेडिकल बोर्ड के जरिए सर्जिकल स्ट्राइक जैसी सघन जांच की जाएगी। आयोग के रडार पर विशेष रूप से लो विजन और हार्ड हियरिंग (कम सुनाई देना) श्रेणी के अभ्यर्थी हैं, क्योंकि पिछली जांचों में सबसे अधिक गड़बड़ी इन्हीं मामलों में मिली थी।

- **आरएएस-2023 की तरह ही इस बार भी साक्षात्कार से पहले दिव्यांग अभ्यर्थियों की मेडिकल बोर्ड के जरिए सघन जांच की जाएगी**
- **आयोग के रडार पर विशेष रूप से लो विजन और हार्ड हियरिंग (कम सुनाई देना) श्रेणी के अभ्यर्थी हैं, क्योंकि पिछली जांचों में सबसे अधिक गड़बड़ी इन्हीं मामलों में मिली थी**
- **524 अभ्यर्थी अब तक हो डिबार चुके हैं, फर्जीवाड़ा करने वालों पर एक लाख तक का जुर्माना और जेल भी संभव**

आयोग सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा 24 नवंबर 2025 को जारी नए सर्कुलर के तहत, अब किसी भी दिव्यांग अभ्यर्थी को लाभ तभी मिलेगा, जब उसके पास सक्रिय यूडीआईडी कार्ड होगा। जिनके पास पुराने प्रमाण-पत्र हैं, उन्हें भी पोर्टल के जरिए पुनः सत्यापन करवाना अनिवार्य होगा। यह कदम प्रमाण पत्रों के दुरुपयोग को जड़ से खत्म करने के लिए उठाया गया है।

फर्जीवाड़ा रोकने के लिए आयोग ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 का कड़ा पहरा बैठा दिया है। यदि कोई अभ्यर्थी फर्जी प्रमाण पत्र के साथ पकड़ा जाता है, तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। जानकारी के अनुसार धारा 89: पहली गलती पर 10,000 रुपये और बाद में 50,000 रुपये तक का जुर्माना, धारा 91: धोखाधड़ी से लाभ लेने पर 2 साल की कैद और 1 लाख रु. तक का जुर्माना शामिल है।

आयोग की सख्ती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फर्जी दस्तावेजों और गलत तथ्यों के चलते अब तक विभिन्न परीक्षाओं के 524 अभ्यर्थियों को डिबार किया जा चुका है। इनमें से 415 को तो आजीवन आयोग की किसी भी परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। शेष 109 अभ्यर्थियों को एक से पाँच वर्ष तक के लिए डिबार किया गया है।

जाँच में यह भी सामने आया है कि कई लोग फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर पहले से ही सरकारी नौकरी कर रहे हैं। आयोग ने ऐसे कर्मचारियों और उन्हें प्रमाण-पत्र जारी करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों और चिकित्सा निदेशालय को पत्र लिखा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वा0 अभि0 विभाग, जिला वृत कोटा
Email: sepheddistcirclekota@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना संख्या 05 से 08/2017-19
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपयुक्त पंजीकृत संवेदकों से निविदा संख्या 05 से 08/2025-26 हेतु ई-निविदा द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र वेब साईट www.rajwater.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in एवं http.//eproc.rajasthan.gov.in पर देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है। http.//eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 28.11.25 सुबह 10.00 बजे से 15.12.25 सांय 6.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदा दिनांक 16.12.25 को दोपहर 2.00 बजे उक्त वेबसाईट पर कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं तथा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। इस निविदा सूचना संख्या 05 से 08/2025-26 में कुल 4 कार्य है, जिसकी अनुमानित लागत क्रमशः 20.00 लाख, 50.00 लाख, 50.00 लाख एवं 100.00 लाख कुल 220.00 लाख है।
NIB Code No. : PHE2526A4453
UBN Code No. PHE2526GLRC0110, PHE2526WSRC09112, PHE2526WSRC09114 PHE2526WSRC09116
Mobile No. : 94148-46513
(भरतलाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा0 अभि0 विभाग जिला वृत कोटा
DIPR/C/17684/2025

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / भण्डार / 2025 / 677 दिनांक 26.11.2025
(ई-निविदा सूचना सं. 03/2025-26)
बीकानेर नगर निगम को रेत कट्टे व मारबल चूना व चूने के कट्टे आपूर्ति कार्य 02 वर्ष हेतु पंजीकृत फर्मो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आंमत्रित की जाती हैं। ए.आर.सी निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
निविदा का कुल लागतः- 15 लाख
UBN Number :- DLB2526GLOB25455
आयुक्त नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद / सी / 25 / 14920

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / भण्डार / 2025-26 / 675 दिनांक 26.11.2025
(ई-निविदा (ARC) सूचना सं. 04 /2025-26)
बीकानेर नगर निगम को विभिन्न प्रकार के सफाई संबंधी व अन्य सामग्री आपूर्ति कार्य 02 वर्ष हेतु पंजीकृत फर्मो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आंमत्रित की जाती हैं। ए.आर.सी निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
निविदा का कुल लागतः- 30 लाख
UBN Number :- DLB2526GLOB25503
आयुक्त नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद / सी / 25 / 14921

कार्यालय नगरपालिका हिण्डोली जिला बून्दी राज.
क्रमांक :- न0पा0हि0 / निर्माण / 2025-26 / 1756 दिनांक :- 28.11.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 11 /2025-26
नगर पालिका हिण्डोली द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका हिण्डोली में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रैणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्वति / ई-निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 29.11.2025 से तथा अपलोड करने की दिनांक 29.11.2025 से दिनांक 11.12.2025 तक है। जिसकी कुल लागत 96.05 लाख है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
NIB code :- DLB2526A8578

Sr.N.	UBN No	Tender cost in lakh
1	DLB2526WSOB25646	96.05

राज.संवाद / सी / 25 / 14936 प्रशासक नगर पालिका हिण्डोली अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका हिण्डोली

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2025 / 7521-23 दिनांक : 27.11.2025
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 68/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 4.65 लाख रूपये से 49.78 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-
1. DLB2526WSOB25395, 2. DLB2526WSOB25396, 3. DLB2526WSOB25397, 4. DLB2526WSOB25398, 5. DLB2526WSOB25399, 6. DLB2526WSOB25400, 7. DLB2526WSOB25401, 8. DLB2526WSOB25402, 9. DLB2526WSOB25403, 10. DLB2526WSOB25404
आयुक्त नगर परिषद बारां
राज.संवाद / सी / 25 / 14899

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड-प्रथम, जयपुर
क्रमांकः 5281-90 दिनांकः 25/11/25
निविदा सूचना संख्या- 108-112/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में इस विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।
निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 09.12.2025 तक को सायं 5.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किए जा सकते है। वेबसाईट पर तकनीकी बिड दिनांक 10.12.2025 को इस कार्यालय में प्रातः 11.00 बजे खोली जाएगी। राजस्थान सरकार, वित्त (जी एण्ड टी) विभाग के परिपत्र कमांक प.6 (5) वित्त/सावि लेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ईप्रोक्योरमेन्ट पोर्टल पर ई-निविदाओ के प्रेषण के लिए एक ही चालान से बोली दस्तावेज मूल्य (Tender Fee) बिड सिक्योरिटी (EMD) एवं RISL फीस को ऑनलाईन ई-ग्रास सिस्टम के माध्यम से जमा करवाना आवश्यक है।
निविदा शुल्क / धरोहर राशि / प्रकिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in/www.dipronline.org पर देखे जा सकते है।
NIT No. 108-UBN- PHE2526WSRC09054, NIT No. 109-UBN- PHE2526WSRC09055
NIT No. 110-UBN- PHE2526WSRC09057, NIT No. 111-UBN- PHE2526WSRC09058
NIT No. 112-UBN- PHE2526WSRC09060
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, जयपुर
DIPR/C/17605/2025 T.Ph.0141-2221802

LIVESTOCK RESEARCH STATION
Vallabhnagar - 313 601 Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences Bikaner (Rajasthan)
No. :- F. ( )/OI/LRS/VBN/RAJUVAS/2025-26/131 Date : 26/11/2025
निविदा-सूचना
पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर की विभिन्न इकाई / परियोजना / फार्म पर प्रातः एवं सायं दैनिक उत्पादित गाय व भैंस के दुध के विक्रय (प्रति लीटर दर से) हेतु (निविदा अनुमोदन होने की दिनांक से 31 दिसम्बर 2026 तक के लिए) मोहरबन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः- UBN : VAU2526GLOB00081

क्र. सं.	कार्य का नाम / वस्तु श्रेणी	अनुमानित दैनिक दूध उत्पादन	अनुमानित वार्षिक मूल्य रूपये	अमानत राशि रूपये	निविदा शुल्क रूपये
1.	गाय का दुध	150 लीटर	20 लाख	30,000	400
2.	भैंस का दुध	80 लीटर	15 लाख	30,000	

नोट :- बिना धरोहर राशि सशर्त तथा अपूर्ण निविदाएं मान्य नही होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.12.2025 को प्रातः 11:30 बजे तक कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा कराकर निविदा प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग मोहरबन्द निविदाएं अलग-अलग लिफाफे में जिस पर निविदा कार्य का नाम अंकित हो, धरोहर राशि एवं निविदा शुल्क सहित दिनांक 29.12.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक जमा की जा सकेगी एवं उसी दिन मध्यान्ह 1:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदाएं खोली जाएगी। डाक एवं ई-मेल द्वारा प्रेषित निविदाएं मान्य नहीं होगी। निविदा प्रपत्र व शर्ते विश्वविद्यालय की http//rajuvas.org वेबसाईट एवं http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/14975 प्रभारी अधिकारी

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय
Ph: 7374004405, Email: cmho2store@gmail.com
क्रमांक : स्टोर / 2025-26/149 दिनांक : 25/11/25
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय में आगामी एक वर्ष हेतु अधिकृत प्रिन्टिंग व स्टीकरिंग सेवा आपूर्ति एवं अन्य प्रतिष्ठित फर्मो से मोहरबंद निविदाऐं आंमत्रित की जाती है।
ई-निविदा का विवरण निम्न प्रकार है

1	विभाग का नाम	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय
2	निविदा का कार्य	प्रिन्टिंग कार्य हेतु
3	निविदा की लागत (अनुमानित)	100 लाख रूपये (एक करोड रूपये)
4	अमानत राशि	02 प्रतिशत (200000/- रूपये) दो लाख रूपये मात्र
5	टेण्डर फार्म डाउनलोड की दिनांक	26.11.2025 (दोपहरः 01:00 बजे से)
6	टेण्डर फार्म डाउनलोड की अंतिम दिनांक	16.12.2025 (दोपहरः 12:00 बजे तक)
7	टेण्डर फार्म जमा / प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	16.12.2025 (दोपहर 1:00 बजे तक)
8	टेण्डर खोलने की दिनांक	16.12.2025 (सांय 4:00 बजे तक)
9	निविदा फार्म / प्रोसेसिंग शुल्क	2000/- रूपये एवं 2000/- रूपये

1. निर्धारित समय तक प्राप्त निविदाएँ दिनांक 16.12.2025 को सांय 04:00 बजे से उपस्थित निविदाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। निर्धारित समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा, साथ ही बिना अमानत राशि के प्राप्त निविदाओं पर भी विचार नहीं किया जाएगा।
2. यह विज्ञिप्त वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in पर भी देखी जा सकती है। निविदा प्रारूप https://eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है तथा निविदा शुल्क निविदा जमा कराते समय ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।
3. अमानत राशि, निविदा फार्म शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क कर्यालय के स्टोर शाखा मे दोपहर 1:00 बजे तक जमा करवाना अनिवार्य है। इसके अभाव मे प्राप्त निविदाओ को अपात्र माना जावेगा।
4. अन्य जानकारी हेतु प्रि-बिड मिटिंग 08.12.2025 को सायः 3:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय चेम्बर मे आयोजित की जावेगी।
NIB-MHS2526A3588
UBN-MHS2526WSRC05256
DIPR/C/17615/2025
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय (राज.)

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)
क्रमांक / नपनि / निर्माण / 25-26 / 5403 दिनांक :- 27.11.2025
निविदा संशोधन सूचना
(E NIT No.- 24/2025-26)
नगर परिषद निम्बाहेड़ा के पत्रांक 5014 दिनांक 07.11.2025 से जारी ऑनलाईन निविदा संख्या 24 / 2025-26 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता हैं :-
1. In 3.2 eligibility criteria Point no 2 Additional Qualification condition shall consider as deleted. UBN No. - DLB2526SLRC23714
राज.संवाद / सी / 25 / 14900 आयुक्त,नगर परिषद निम्बाहेड़ा

Rajasthan State Beverages Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Plot No. 2, CoERRA Bhawan, (Fourth & Fifth Floor), Opp. Aranya Bhawan, Jhalana Sansthanik Area, Jaipur-302004
Tel: 0141-2744239 email- ed.rsbcl@rajasthan.gov.in CIN-U15511RJ2005SGC020336)
No. 6124 Date : 02.12.2025
NOTICE INVITING e-BIDs
e-Bids for Loading and Unloading work of IMFL/FMFL/BEER cases at 49 Depots of 37 District for the year 2025-26 to 2027-28 (Two Year) are invited from interested bidders upto 6.00 PM on 23.12.2025 The bid documents may be downloaded from https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in, https://iems.rajasthan.gov.in
UBN NO. BCL2526SLOB00019-55
Raj.Samwad/C/25/15033 Executive Director

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा. / 2025 / 3905-3907 दिनांक 27.11.2025
-:: Notice Inviting Bid ::-
Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB25520
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद / सी / 25 / 15017

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector - 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org
No. :- RUHS-CMS/Store/2025-26/10177 Date :- 28/11/2025
Notice Inviting E-Bids
Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in upto 03.00 pm of 22-12-2025 for Supply and installation of High Performance Liquid Chromatography (Total Est. Cost Rs. 25,00,000.00) for Department of MRU at RUHS College of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in or www.ruhscms.org. UBN :- CMS2526GLOB00103
Principal, RUHS College of Medical Sciences, Jaipur
Raj.Samwad/C/25/14973

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 19096566 दिनांक :- 28/11/2025
ई-बिड सूचना संख्याः- जोन उत्तर-एबी/15/25-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- JOD2526A0208
Tender ID/UBN No. :- JOD2526WSOB00463 To 00466
राज.संवाद/सी/25/14967 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-एबी)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
निविदा सूचना संख्या 30 व 31/2025-26
केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों एवं उनके उपक्रमों में 'अ' अथवा 'अअ' श्रेणी एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निविदा सूचना संख्या 30 व 31 / 2025-26 में वर्णित कार्य हेतु संबंधित अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) रा.रा.वि.प्र.नि.लि. कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र में निविदाऐ आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व www.rvpn.co.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। UBN :- VPN2526WSOB02310 से VPN2526WSOB02322 (13), VPN2526WSOB02324 से VPN2526WSOB02337(14), VPN2526WSOB02339 VPN2526WSOB02341 से VPN2526WSOB02346 (6), VPN2526WSOB02348
अधीक्षण अभियंता (सिविल), जयपुर
राज.संवाद/सी/25/14955 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7274/2025

मुख्यमंत्री ने मोदी-शाह समेत कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन से मुलाकात कर राजस्थान के किसानों और पशुपालकों के हित से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने नई दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम प्रधानमंत्री मोदी से भेंट कर उन्हें राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्थान के विकास के रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी। भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा। शर्मा ने संसद भवन पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राज्यसभा सांसद मदन राठौड से भी मुलाकात की। इस दौरान तीनों नेताओं के बीच राजस्थान के चहुंमुखी विकास और केंद्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने शाह को राजस्थान में विकास और सुशासन की दिशा में किए जा रहे नवाचारों, लोक कल्याणकारी योजनाओं व सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं रसायन व उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से शिष्टाचार भेंट कर नड्डा को उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे आधुनिक सुधारों, चिकित्सा सेवाओं के सशक्तिकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में कुशल वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी सुधारों से आमजन को हुए फायदों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी तथा पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन सिंह के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में राजस्थान के समग्र विकास तथा किसानों और पशुपालकों के कल्याण से जुड़े कई प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

दोनों नेताओं ने केंद्र की योजनाओं की प्रगति और पंचायतीराज संस्थाओं की विकास यात्रा को ओर गति देने पर भी विचार-विमर्श किया। इस दौरान शर्मा ने प्रदेश में अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना में सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि राजस्थान की डबल इंजन सरकार राज्य के त्वरित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि कैमल मिल्क और इससे निर्मित उत्पादों के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रभावी विपणन की दिशा में राज्य सरकार तेजी से कदम उठा रही है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और गरीब कल्याण के लिए नीतियां लागू करने के साथ ही निरंतर जनहितैषी फैसले ले रही हैं।

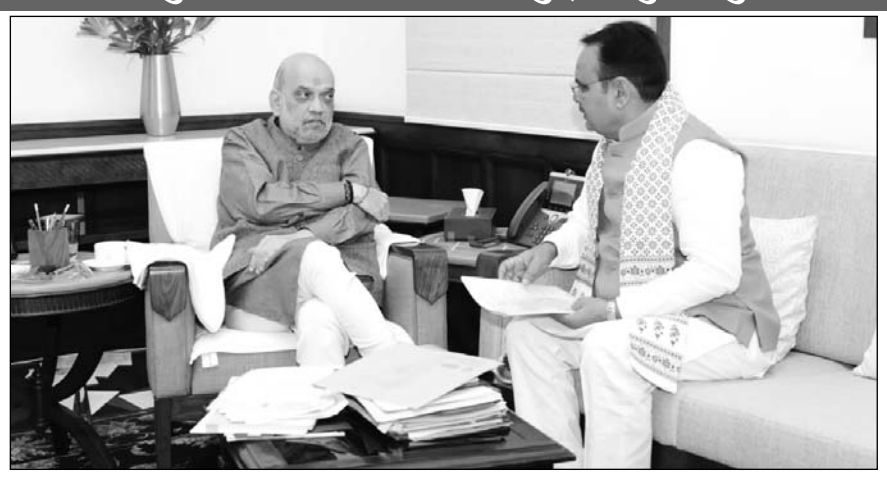

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

- **मुख्यमंत्री ने राज्य में अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना में सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री का जताया आभार**

एएजी पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति पर पुनः लगी हाईकोर्ट की मुहर

अदालत ने उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील भी खारिज की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ता पदमेश मिश्रा को अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) बनाये जाने के आदेश को सही ठहराया है। अदालत ने उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है और इसी मामले में एकलपीठ द्वारा दिए गए फैसले को भी जायज ठहराया है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के ही अन्य अधिवक्ता सुनील समदरिया ने पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि, राज्य सरकार की विधि नीति के विरूद्ध जाकर मिश्रा को एएजी बनाया गया है और अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा के पास पर्याप्त अनुभव ही नहीं है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और बलजिंदर सिंह संधू ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया है।

जैसा कि विदित है कि, अधिवक्ता सुनील समदरिया ने इस मामले में दायर अपील में राज्य सरकार की विधिक नीति को भी चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने कहा कि, एक तरफ विधिक नीति के मुताबिक एएजी बनने के लिए 10 वर्ष का न्यूनतम अनुभव होना जरूरी है, वहीं दूसरी ओर विधिक नीति की धारा 14.8 के अनुसार, राज्य सरकार किसी भी अधिवक्ता को एएजी नियुक्त कर सकती है।

उनका कहना था कि, पुरानी विधिक नीति में संशोधन करने के तुरंत बाद ही पदमेश मिश्रा को एएजी बनाने के लिए सिफारिश दी गई, जिस पर तुरंत राज्य सरकार ने फैसला भी ले लिया। उनका आरोप था कि, विधिक नीति में जिस तरह संशोधन करके पदमेश मिश्रा की नियुक्ति की गई, उससे प्रतीत होता है कि, केवल मिश्रा को ही एएजी पद का लाभ देने के लिए यह नीति बदली गई थी।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने फैसले में एकलपीठ के फैसले को ही उद्दृत किया और कहा कि, नीति में फेरबदल करना और नीति के बाद किसी व्यक्ति विशेष की नियुक्ति तथा इस पूरी प्रक्रिया को मनमानी और दुर्भावनावश की गई नियुक्ति नहीं माना जा सकता।

इस मामले में जिरह करते हुए महाधिवक्ता ने कहा कि, विधिक नीति सिर्फ मार्गदर्शन के लिए बनायी गई गाइडलाइन है, किसी अधिनियम के अंतर्गत जारी कानून नहीं है।

उन्होंने कहा कि, इस नियुक्ति से ना तो किसी व्यक्ति विशेष को अधिकार मिलता है और ना ही किसी का अधिकार छिनता है। यह केवल और केवल राज्य सरकार की नीति और फैसला है, कि वह किस व्यक्ति विशेष को किस विभाग के मामले अदालत के समक्ष जिरह करने के लिए चुनती है।

अदालत के समक्ष यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया कि, अतिरिक्त महाधिवक्ता का पद महाधिवक्ता के पद की तरह नहीं होता, जो एक संवैधानिक पद हैं। अदालत को यह भी बताया गया कि, सुप्रीम कोर्ट भी यह कह चुका है कि अतिरिक्त महाधिवक्ता, राज्य सरकार और महाधिवक्ता के सहायक के रूप में अदालतों में किसी विभाग के विशेष मामले प्रस्तुत करने में मदद करते हैं।

वह महाधिवक्ता की तरह किसी सार्वलनिक कार्यालय के पद पर नहीं रहते हैं और ना ही जनता के प्रति उनकी कोई जवाबदेही होती है। यह कार्य केवल महाधिवक्ता का है। चूंकि यह कोई सरकारी पद नहीं है, इसलिए व्यक्ति विशेष, एएजी को हटाने के लिए याचिका दायर नहीं कर सकता।

पदमेश मिश्रा के अनुभव पर उठे सवालों को लेकर अदालत ने टिप्पणी की, कि मामलों को अदालतों में प्रस्तुत करना एक कला है, जिसका अनुभव से कोई लेना-देना नहीं होता है। कई बार कम अनुभव वाले वकील भी एक्सपर्ट्स और विशेषज्ञ अधिवक्ताओं से बेहत्तर जिरह कर सकते हैं। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि, वह किसे जिरह के लिए एएजी चुनती है।

- **हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ''मामलों को अदालतों में प्रस्तुत करना एक कला है, जिसका अनुभव से कोई लेना-देना नहीं होता है। कई बार कम अनुभव वाले वकील भी एक्सपर्ट्स और विशेषज्ञ अधिवक्ताओं से बेहत्तर जिरह कर सकते हैं। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि, वह किसे जिरह के लिए एएजी चुनती है।''**

वकील से दुर्व्यवहार पर हाईकोर्ट की फटकार : कुडी थानाधिकारी सस्पैंड, थाना स्टॉफ लाइन हाजिर

एस.एच.ओ. द्वारा बदत्तमीजी करने का वायरल वीडियो देखने के बाद हाईकोर्ट के मुख्याधीश ने पुलिस आयुक्त, डीसीपी वेस्ट, एसीपी और थानाधिकारी को कोर्ट में तलब कर फटकार लगाई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट के जिला पश्चिम के कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह और अधिवक्ता भरत सिंह राठौड़ के साथ सोमवार की शाम को हुई नोंक-झोंक के बाद थानाधिकारी द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने अधिवक्ताओं में हलचल पैदा कर दी। रातों रात अधिवक्ता लामबद्ध हो गए और कुड़ी थाने पर थानाधिकारी और स्टाफ को लेकर कार्रवाई की मांग करते हुए धरना प्रदर्शन करने लगे। मंगलवार सुबह तक काफी संख्या में अधिवक्ता थाने पर एकत्र हो गए और धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने इस घटनाक्रम को लेकर प्रसंज्ञान लिया और पुलिस आयुक्त, डीसीपी वेस्ट, एसीपी और थानाधिकारी को कोर्ट में तलब कर दिया। हाईकोर्ट के कार्यवाहक न्यायाधीश एसपी शर्मा और बीएस संधू की अदालत में सुबह मामले को लेकर सुनवाई आरंभ हुई और पुलिस को कल का वीडियो दिखाया गया। कोर्ट ने पुलिस को थाने में सीसीटीवी कैमरे लगाने के सहित घटना को लेकर फटकार लगाई और एसएचओ को निलंबित किए जाने के आदेश जारी किए। साथ ही थाने में वक्त घटना तैनात पुलिस कर्मियों को थाने से हटाने के आदेश दिए। कोर्ट ने मामले में आईपीएस अधिकारी से जांच करवाने की बात भी की।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने मामले को लेकर ऐसी पुनरावृति ना हो इसके लिए कोर्ट को आश्वस्त किया। एसएचओ सहित सायंकालिन ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को भी हटाने के लिए बात की। जानकारी के अनुसार कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में कुड़ी भगतासनी थाने में थानाधिकारी हमीर सिंह की एक रेप पीड़िता के साथ आए अधिवक्ताओं से नोक-झोंक हो गई थी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। आरोप था कि थाने में एक अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

बताया जा रहा है कि, अधिवक्ता भरत सिंह राठौड़ व महिला अधिवक्ता पत्नी एक रेप पीड़िता के साथ कुड़ी थाने गए थे। यहां मामले में कार्रवाई करने व पुलिसकर्मियों के वर्दी नहीं पहनने को लेकर अधिवक्ता की थानाधिकारी हमीर सिंह के साथ बहस हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि अधिवक्ता को धमकाते थाना अधिकारी ने कहा कि तुम ये पूछने वाले कौन होते हो। इसके बाद थानाधिकारी वकील को पकड़कर अंदर ले जाते वीडियो में रिकार्ड हो गए। हालांकि उनके साथ आए अधिवक्ता ने विरोध भी जताया। यह विडियो वायरल होते ही वकीलों की भीड़ थाने पर इकट्ठी हो गई तथा घटना पर आक्रोश प्रकट करते प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अधिवक्ता राठौड़ का आरोप है कि उनके साथ वहां दुर्व्यवहार किया गया और थानाधिकारी ने वर्दी का रौब जमाते हुए अपने अधिकारों का दुरूपयोग किया। यह वीडियो तेजी से रात को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट एसोसियेशन और लायर्स एसोसियेशन के अधिवक्ता लामबद्ध हो गए और कार्रवाई की मांग करने लगे थे।

इधर इस मामले को राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने रखा और पूरे प्रकरण से अवगत कराया। अदालत ने पहले घटना का वायरल वीडियो देखा और तुरंत संज्ञान लेकर पुलिस कमिश्नर, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी वेस्ट) और कुड़ी थानाधिकारी को कोर्ट में तलब किया। कोर्ट ने वीडियो देखने के बाद पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश को जमकर फटकार लगाई।

जोधपुर पुलिस कमिश्नर और सरकार को हिदायत दी कि सभी पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग दी जाए। किससे, किस तरीके से बात करनी चाहिए, कैसे लोगों से पेश आना चाहिए, यह पुलिस को आना चाहिए। पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट में कहा कि आईपीएस स्तर के अधिकारी से जांच करवाई जा रही है। अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। इसके साथ ही पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

- **उच्च न्यायालय ने पुलिस थाने में सी.सी.टी.वी. कैमरे नहीं लगाये जाने को लेकर नाराजगी भी जताई**

चारधाम हेलीकॉप्टर सेवाओं में सुरक्षा बढ़ाना और तीर्थयात्रियों की सुविधा सर्वोपरि : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने चार धाम तीर्थयात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाया। राठौड के सवाल के जवाब में नागर विमानन मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि हेलीकॉप्टर संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। सहस्त्रधारा (देहरादून) और सीतापुर (केदारनाथ) हेलीपैड पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन कक्षों में यूसीएडीए के प्रभारी अधिकारी, एटीसी अधिकारी और आईएमडी अधिकारी वास्तविक समय के मौसम डेटा और यातायात स्थितियों के आधार पर गो/नो-गो निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार हैं। यह व्यवस्था तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है।सांसद मदन राठौड़ ने हेलीपैड निरीक्षण और प्रचालकों के ऑडिट पर भी स्पष्ट जानकारी मांगी। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि केदारनाथ के लिए परिचालन आरंभ करने से पहले डीजीसीए ने 7 हेलीपैडों और 6 हेलीकॉप्टर प्रचालकों का निरीक्षण/ऑडिट किया। इसके अतिरिक्त चार धाम हेतु परिचालन की अनुमति प्रदान करने से पूर्व 12 प्रचालकों और 10 हेलीपैडों की विस्तृत जाँच की गई। चार धाम और केदारनाथ मार्गों पर अतिरिक्त मौसम कैमरों की स्थापना की गई है, जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों की त्वरित पहचान संभव हो सकी। उन्होंने बताया कि मानसून-पश्चात चरण में सभी उडानें सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गईं और डीजीसीए के उपायों ने विश्वसनीयता को और मजबूत किया है।

45 लाख के डोडा-पोस्त के साथ दो तस्कर भाई गिरफ्तार

ग्रेनाइट की आड़ में छिपाई गई 304 किलो से अधिक अफीम और डोडा-चूरा की खेप जब्त

जयपुर (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की सूचना पर भीलवाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक कंटेनर की गहन जांच के बाद ग्रेनाइट की बिल्टी की आड़ में तस्करी किया जा रहा 45.75 लाख रुपए मूल्य का 304 किलो 700 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। पुलिस टीम ने मौके से बीकानेर के दो तस्कर भाइयों पूरणा राम लेघा (40) और देवेंद्र उर्फ देवा (21) निवासी सोमलसर को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी मिली कि एक ट्रक कंटेनर में ग्रेनाइट की बिल्टी की आड़ में तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर गुलाबपुरा थाना पुलिस ने त्वरित नाकाबंदी की।

नाकाबंदी तोड़कर भागे संदिग्ध ट्रक को पीछा कर चौकी 29 मील चौराहा पुलिया पर रुकवा लिया। ट्रक की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें छिपाए गए 15 कट्टों में भरा यह भारी मात्रा में 304 किलो 700 ग्राम अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ। इस मामले में दोनों भाई पूरणा राम लेघा (40) और देवेंद्र उर्फ देवा (21) को गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी आंध्र प्रदेश के मातूर जिले से ग्रेनाइट भरकर पंजाब की ओर जा रहे थे। उन्होंने बीच रास्ते मध्य प्रदेश के जावर क्षेत्र से यह डोडा पोस्त लोड किया। जिसे बीकानेर जिले के गांव अर्जुनसर निवासी देवाराम उर्फ भानू नाम के व्यक्ति को देनी थी। जो अपनी कार या कैंपर गाड़ी लेकर उनका इंतजार करता। दोनों तस्करों ने पूर्व में तीन से चार बार मादक पदार्थों की तस्करी करने की बात स्वीकार की है।पुलिस टीम दोनों शातिर आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है, ताकि उनके पूरे अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क का समूल पर्दाफाश किया जा सके।

इस कार्रवाई में कांस्टेबल विजय सिंह व गोपाल धाबाई की विशेष भूमिका और हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व जितेंद्र की तकनीकी कुशलता सराहनीय रही। वहीं टीम में शामिल एसआई प्रताप सिंह, बनवारी लाल शर्मा, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, हेमंत शर्मा, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, गंगाराम व चालक दिनेश शर्मा का भी उत्कृष्ट सहयोग रहा।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर भीलवाड़ा पुलिस ने 304 किलो डोडा-पोस्त जब्त कर दो तस्कर दबोचे।

- **एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया**

230 माइनर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरु

जयपुर (कासं)। राज्य में दिसंबर माह में 230 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं वहीं चालू वित्तीय वर्ष के आगामी तीन माहों में करीब 400 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी का एक्शन प्लान बनाया गया है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने यह जानकारी मंगलवार को सचिवालय में मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉकों और प्लॉटों की ई-नीलामी की समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने कहा कि खान विभाग एक और खनिज खोज कार्य को गति दे रहा हैं, वहीं फील्ड मशीनरी को और अधिक सक्रिय करते हुए प्लॉट डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन पूर्व तैयारियां मिशन मोड़ में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

टी. रविकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा आगामी तीन माह का एक्शन प्लान बना लिया है और उसी के अनुसार एनआईबी जारी करने से लेकर ऑक्शन प्रक्रिया पूरी करने तक की पूर्व तैयारियां की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मिनरल ब्लॉकों की समयबद्ध नीलामी पर जोर देते रहे हैं, जिससे अवैध खनन गतिविधियों पर रोक, वैध खनन को बढ़ावा, माइनिंग सेक्टर में निवेश और रोजगार के साथ ही राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी हो सकेानिदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि दिसंबर माह में 104 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के लिए एनआईबी जारी कर दी गई है और 126 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी एनआईबी इसी सप्ताह जारी हो जाएगी।

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने किया जंबूरी विजेता दल का अभिनन्दन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के उपाध्यक्ष एवं राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अपने आवास पर उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे प्रदेश के दल के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया।

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के उपाध्यक्ष एवं राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अपने आवास पर उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे प्रदेश के दल के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर रावत ने जम्बूरी में राजस्थान दल द्वारा जीती हुए सर्वोच्च अवार्ड एवं पताकाओं का अवलोकन कर सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई अर्पित की और राजस्थान का गौरव बढ़ाने के लिए साधुवाद दिया। रावत ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड सदैव प्रदेश एवं संगठन को गौरवान्वित करता रहा है।

भारत स्काउट व गाइड के सदस्यों का कार्य समाज एवं राष्ट्र की सेवा व समृद्धि को समर्पित रहा है। इस अवसर पर स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्ना लाल, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सहायक संपादक नीरज जैन, सर्कल आर्गेनाइजर एल.आर. शर्मा, शरद कुमार शर्मा, गगनदीप कौर, कृष्णा सैनी, गोविन्द प्रसाद मीणा एवं राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के शिक्षक अपने स्काउट्स एवं महात्मा गांधी बालिका इंग्लिश मीडियम विद्यालय वाटिका की अध्यापिका अपनी गाइड्स के साथ उपस्थित रहीं। शेखावत ने रावत को जम्बूरी का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए जम्बूरी में हुई प्रतियोगिताओं व गतिविधियों तथा जम्बूरी में राष्ट्रपति, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों व गणमान्यजन की उपस्थिति से अवगत कराया।

- **दल ने जंबूरी में प्राप्त सर्वोच्च अवार्ड का अवलोकन कराया**

अटल भू-जल योजना से ग्रामीण भारत में जल प्रबंधन की जगी आशा : मदन राठौड़

''कैच द रेन'' अभियान देश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

जयपुर। भाजपा के राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने सदन के पटल पर जल प्रबंधन, भूजल संरक्षण और डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे को उठाया। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय से यह स्पष्ट जानकारी मांगी कि देश में लागू विभिन्न जल संरक्षण योजनाओं की वास्तविक स्थिति क्या है और उनका आम जनता पर कितना असर पड़ रहा है। सांसद राठौड़ ने अटल भूजल योजना की प्रगति और इससे संबंधित राज्यों तथा ग्राम पंचायतों की वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाए। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि अटल भूजल योजना एक सामुदायिक नेतृत्व आधारित कार्यक्रम है, जिसे सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 8203 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है। यह क्षेत्र वे हैं जहां लंबे समय से जल की अत्यधिक कमी देखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य भूजल स्तर में सुधार करना, समुदायों को जल प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ना और मांग-पक्ष प्रबंधन को सशक्त बनाना है। इस योजना की बदौलत हजारों गांवों में जल उपयोग के प्रति जागरूकता और सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान कैच द रेन के तहत देशभर के सभी जिलों में व्यापक कार्य चल रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा विकसित जियो-मंडल जीआईएस प्लेटफॉर्म और डिजिटल डैशबोर्ड इस अभियान का प्रमुख आधार हैं। इनके माध्यम से विभिन्न राज्यों से प्राप्त आंकड़ों को रियल-टाइम में संकलित किया जाता है, जिससे निरीक्षण, निगरानी और मूल्यांकन बेहद सरल हो गया है। साथ ही, राष्ट्रीय भूजल सूचना प्रणाली में जियो-टैग डेटा जोड़कर राज्यों को निर्णय लेने में बेहतरीन सहायता दी जा रही है।

मंत्री चौधरी ने बताया कि नवंबर 2023 के बाद भूजल स्तर की निगरानी के लिए पाईजोमीटर नेटवर्क का विस्तार, भू-जलकूपों के अवलोकन केंद्रों की संख्या में वृद्धि और डिजिटल जल सूचना प्रणाली का व्यापक विकास किया गया है। देशभर में लगभग 23,000 डिजिटल जल-स्तर रिपोर्ट्स का एक राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से भूजल की प्रवृत्तियों, रिक्त जलाशयों की क्षमता और रिचार्ज दरों का लगातार अध्ययन किया जाता है।

- **'अटल भूजल योजना एक सामुदायिक नेतृत्व आधारित कार्यक्रम है, जिसे सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 8203 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है'**

राजभवन का नाम अब ''लोकभवन'' होगा

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत राजभवन को अब ''लोकभवन'' के नाम से जाना जाएगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की पहल पर इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। एक दिसम्बर 2025 से यह अधिसूचना प्रभावी रहेगी।राज्यपाल बागडे ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से लोकतांत्रिक भारतीय संस्कृति की ओर आगे बढ़ने की दिशा में 'लोकभवन' नामकरण बहुत बड़ी पहल है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक राष्ट्र है। हमारे देश के संविधान की उद्देशिका ही ''हम भारत के लोग'' से प्रारंभ होती है। लोकतंत्र में लोक ही प्रमुख है, इसलिए राज्यपाल का कार्यस्थल अब ''लोकभवन'' नाम से जाना जाएगा। यह केवल नामकरण नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं और लोक आकांक्षाओं का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि ''राज'' शब्द ब्रिटिश शासन के अवशेषों की याद दिलाता है। इसीलिए केन्द्र सरकार की पहल पर यह बड़ा बदलाव किया गया है।

- **राज्यपाल बागडे के निर्देश पर जारी हुई अधिसूचना**

कोटा में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगी

सात दमकलों ने आग पर काबू पाया, लपटें पहुंचने पर पास की बिल्डिंग खाली कराई

कोटा, (निसं)। शहर के अनंतपुरा थाना इलाके की पत्थरमंडी, दीनदयाल नगर स्थित एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने का मामला सामने आया है। यह आग मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे लगी। सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। इस कबाड़ गोदाम के नजदीक ही एक तीन मंजिला इमारत है, जिसके भूतल पर दुकानें हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर रिहायशी फ्लैट बने हुए हैं। आग की लपटें इस बिल्डिंग तक पहुंचने लगी थी। ऐसे में पुलिस व अग्निशमन टीम ने सावधानीपूर्वक इमारत को खाली करवाया। लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग से पूरे इलाके में धुआं फैल गया था। मौके पर अनंतपुरा थाना पुलिस भी पहुंची। नगर निगम के दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

कोटा में कबाड़ के गोदाम में लगी आग पर दमकलों ने काबू पाया।

- गोदाम टीनशेड से बना हुआ था, इसमें रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था

नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि 7 दमकलों ने करीब दो घंटे में इस आग पर काबू पाया है। पहली दमकल की टीम ने सूचना दी कि आग भीषण है जिसके बाद अन्य अग्निशमन केंद्रों से भी दमकलें भेजी गईं। यह गोदाम छीतरलाल व दिनेश नामक कबाड़ियों का है जिसका क्षेत्रफल 40 गुणा 90 फीट है और यह टीनशेड से बना हुआ है। इस गोदाम में रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था। आग की सूचना निवर्तमान पार्षद सोनू धाकड़ व जसवंत डैनी ने दी थी। इसके तत्काल बाद पुलिस कंट्रोल रूम से भी फोन आ गया था। मौके पर पहुंचे अनंतपुरा थाने के कांस्टेबल जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस गोदाम के पास मौजूद मिश्रित (रिहायशी व व्यावसायिक) बिल्डिंग तक आग पहुंच गई थी जिससे वहां के निवासियों को बाहर निकाला गया। समय पर दमकल के पहुंच जाने से आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा बिल्डिंग भी चपेट में आ सकती थी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी व्यास ने बताया कि प्राथमिक तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, गोदाम मालिक दिनेश और छीतरलाल का आरोप है कि आग किसी व्यक्ति ने जान बूझकर लगाई है। इस संबंध में आगे की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

सीएम भजनलाल पांच को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे

जयपुर/श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का नहरी तंत्र मजबूत बन रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पांच दिसम्बर को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे।

- इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे

फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के तहत आर.डी. 0 से 168.230 तक सी.सी.लाईनिंग, 2 हैड रेगूलेटरों का पुनर्निर्माण, 1 हैड रेगूलेटर का नव निर्माण, 1 क्रोस रेगूलेटर का पुनर्निर्माण, 19 वी.आर.बी./डी.आर.बी. का पुनर्निर्माण, 3 रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इन विकास कार्यों से हरिके बैराज में आने वाले अधिक पानी को फिरोजपुर फीडर में लाया जाएगा तथा इसका प्रत्यक्ष लाभ गंगनहर को होगा।

इन पुनर्निर्माण कार्यों से गंगनहर के 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के काश्तकार लाभान्वित होंगे तथा फसलों का उत्पादन भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा इस कार्य की डीपीआर स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये एवं राजस्थान राज्य की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1925 में 5 दिसम्बर को स्व. महाराजा गंगा सिंह ने गंगनहर का शिलान्यास किया था। वर्ष 2025 में इस परियोजना के 100 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे फिरोजपुर फीडर की कुल पानी आहरण की क्षमता में वृद्धि होगी।

खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। रबी फसलों में सुनियोजित एवं आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता एवं किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य को लेकर कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया।

- कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में जांच की

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि कृषि आयुक्तालय जयपुर में जल उपयोगिता प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक जितेन्द्र कुमार नोगिया एवं नरेन्द्र जैन ने मैसर्स निम्बार्क ऐजेन्सी पर स्टॉक निर्धारित तिथि तक संधारित नहीं रखने एवं बिना पीसी में इन्द्राज कराये पोटाश डेविडेट फ्रोम मोलासिस पाये जाने पर तत्काल बिक्री पर रोक लगाकर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार हिन्दुस्तान सीड्स एवं फर्टीलाइजर के प्रतिष्ठान पर बिल बुक निर्धारित प्रारूप में संधारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल की आवश्यकतानुसार रबी सीजन में समय पर यूरिया एवं अन्य उर्वरक उपलब्ध हो इसके लिए कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के स्टॉक एवं गोदामों का निरीक्षण किया जा रहा है, किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने हेतु सेम्पल लिये जा रहा है, जिनको विश्लेष्ण हेतु प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। विभाग के निरीक्षको द्वारा कृषि आदान के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण और मौके पर मौजूद उर्वरक के स्टॉक का पॉस मशीन एवं स्टॉक रजिस्टर से मिलान करेंगे एवं किसी भी स्तर पर अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया है।

पुलिस ने बीएलओ बनकर दुष्कर्मी को फकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस ने छह साल से फरार दुष्कर्म के आरोपी नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। नरेश शर्मा अपनी महिला मित्र के साथ उत्तर प्रदेश के नवाबगंज, बरेली में नाम बदलकर राजेश शर्मा के रूप में छुपा हुआ था। वह थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़ का निवासी है और दुष्कर्म के मामले में फरार था। इसके अलावा, चंदेरिया थाना क्षेत्र में 15 साल और सुभाषनगर, भीलवाड़ा में 5 साल से धोखाधड़ी के मामलों में फरार अन्य आरोपी भी हैं।

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर थाना कोतवाली के थाना प्रभारी सुनील चौधरी की टीम ने विशेष प्रयास कर नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया। टीम के हेडकांस्टेबल ओमप्रकाश चौधरी ने बीएलओ बनकर गहन जांच की और मिली सूचना के आधार पर नरेश को पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट था और वह फरार रहने के दौरान नाम बदलकर रह रहा था।

ड्रग्स मंगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में वर्षों पूर्व सोना, बादाम, लोंग की होने वाली तस्करी से निजात मिली, परन्तु वर्तमान में ड्रग्स तस्करी करने वाले बड़े बड़े गिरोह सक्रिय हैं। पुलिस द्वारा 4 महीने पहले 3 करोड़ 35 लाख रुपए की एमडीएमए ड्रग्स पकड़ी गई थी, पर ड्रग्स मंगवाने वाला आरोपी फरार था। इस मामले में जिले की कोतवाली पुलिस ने इस केस में सप्लाई मंगाने वाले वांटेड आरोपी भोमसिंह पुत्र शैतानसिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रग्स नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

नशीले कैप्सूल और गोलियों के साथ ई-रिक्शा चालक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पालिका बाजार के पास गश्त के दौरान एक ई-रिक्शा चालक को 1 लाख 30 हजार से ज्यादा अवैध नशीले कैप्सूल और टैबलेट्स के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त टैबलेट्स और कैप्सूल की बाजार कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

- ई-रिक्शा में 1.25 लाख प्रतिबंधित कैप्सूल व टैबलेट्स ले जा रहा था

सदर थानाधिकारी सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर हंसराज खरोड़ की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान त्रिलोक राम (45) निवासी 71 आरबी (रायसिंहनगर) के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि त्रिलोक राम डीटीडीसी कोरियर कंपनी में पार्ट टाइम डिलीवरी का काम करता है। आरोपी पिछले काफी लंबे समय से नशा तस्करों के संपर्क में था और कोरियर कंपनी पर लिखे पते से अलग-अलग जगहों पर इन नशीली दवाओं की डिलीवरी करता था। आरोपी इन कैप्सूल और गोलियों को छिपाकर ई-रिक्शा में ले जा रहा था। आरोपी के कब्जे से प्रेगाबालिन कैप्सूल आईपी 300 मिलीग्राम (न्यूरो-300) 35 हजार कैप्सूल, टैपेंटाडॉल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स (टैनीडॉल) 95 हजार टैबलेट्स बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में आरोपी से नशे की सप्लाई करने वाले बड़े सरगना और अन्य साथियों के नाम उगलवाने की कोशिश की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। बुहाना थाना इलाके के कुहाड़वास-भूरीवास रोड पर बीती रात को हादसे में अमित उर्फ बंटी की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त बुधराम घायल हो गया। बलौदा गांव का रहने वाला बुधराम मेघवाल शादियों में केटरिंग का काम करता है। उसने 22 नवंबर को कुहाड़वास में एक केटरिंग का काम किया था। जिसका पेमेंट लाने वह अपने दोस्त के साथ कुहाड़वास गांव गया हुआ था। जहां से पेमेंट लेने के बाद दोनों रात को बाइक से रवाना हुए। इसी दौरान कुहाड़वास से निकलते ही भूरीवास के समीप आश्रम के समीप पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी।

देसूला की चरागाह भूमि पर नहीं रुक पाई अवैध प्लाटिंग

अलवर, (निसं)। अलवर तहसीलदार और राजस्व विभाग के लापरवाह अधिकारियों और पटवारी की मिलीभगत के चलते उद्योग नगर के देसूला गांव में गौचर भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा हो रही अवैध प्लाटिंग पर अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। जिला प्रशासन के आला अधिकारियों की मेहरबानी से भूमाफिया इस करोड़ों की गौचर भूमि पर अवैध प्लाटिंग करने में लगे हुए हैं। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर इसके समाचार मीडिया में लगातार प्रकाशित किये जा रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

- ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी, तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई

ग्रामीणों ने बताया कि देसूला की गौचर भूमि खसरा नं 534 पर पिछले कई दिनों से प्लाटिंग की जा रही है। यहां तक कि यहां भवनों का निर्माण तक भी किया जा चुका है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी दिनेश कुमार को भी की जब पटवारी ने कोई कार्यवाही नहीं की तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

चाकू के हमले से श्रमिक की हत्या, दो घायल

उदयपुर, (निसं)। शराब के नशे में आपसी विवाद होने पर अरोपी ने चाकू से साथी श्रमिकों पर हमला कर दिया। जिससे एक श्रमिक की मौत हो गई तथा दो श्रमिक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार एक दिसंबर तड़के जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र उपलावास गांव में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर कहासूनी होने पर बावलवाड़ा निवासी जीवन पुत्र रासा ने चाकू से हमला कर देवरी एमपी निवासी विरसिंह (23) पुत्र हीरासिंह, वीरन (32) पुत्र सुखनंदन एवं कपूर (21) पुत्र डालू पर हमला कर फरार हो गया। इसका पता चलने पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह ने मौके पर पहुंचकर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर पुलिस उप अधक्षक डूगरसिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल कर निरीक्षण किया तथा मृतक वीरसिंह का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा एवं घायलों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती कराने के लिए रवाना किया। बैकरिया थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाईन बिछाने का काम चल रहा है। जहां पर वीरसिंह, वीरन एवं कपूर मजदूरी करते हैं तथा जीवन हिताची मशीन का आपरेटर का काम करता है।

आईएसआई जासूस प्रकाश सिंह को टेलीग्राम-वॉट्सएप पर ट्रेनिंग मिली थी

श्रीगंगानगर, (कासं)। मंगलवार को सीआईडी इंटेलिजेंस ने श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) को जयपुर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने प्रकाश को 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेज दिया।

- सीआईडी इंटेलिजेंस ने पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल को जयपुर कोर्ट में पेश किया, 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेजा

जानकारी के अनुसार जांच में सामने आया कि श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) कोई सामान्य जासूस नहीं था, वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का एक्टिव और ट्रेंड एजेंट था। आईएसआई की ओर से उसे टेलीग्राम और वॉट्सएप के जरिए ट्रेनिंग दी गई थी। बताया गया कि उसे कब क्या करना है। साइंस का स्टूडेंट रहा प्रकाश डी फार्मा (फार्मासिस्ट) कर चुका है। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से बॉर्डर पर ड्रोन से आने वाली ड्रग तस्करी का सबसे बड़ा सरगना भी प्रकाश सिंह ही था। पाकिस्तानी हैंडलर से ड्रग लेकर तस्करों तक पहुंचाना और उसे सप्लाई करने तक का काम वह खुद ही करता था। बॉर्डर एरिया के चप्पे-चप्पे से वाकिफ प्रकाश खुद को मार्बल का मिस्त्री बताता था। शातिर तरीके से पाकिस्तान को सेना से जुड़े फोटो-वीडियो शेयर कर रहा था। जानकारों के अनुसार अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाई आईएसआई ने अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है। पहले वह केवल ड्रग्स, हथियार और जाली नोट तस्करों को संरक्षण देती थी, लेकिन अब इन स्मगलरों के पूरे नेटवर्क को अपने सीधे नियंत्रण में लेकर उन्हें बिना किसी अतिरिक्त ट्रेनिंग के जासूस बना रही है।

फिरोजपुर (पंजाब) निवासी प्रकाश सिंह इसी का हिस्सा था। जासूसी करने से पहले प्रकाश सिंह पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को देश के अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था। आईएसआई के जरिए ये ड्रग राजस्थान से जुड़े बॉर्डर पर ड्रोन से गिराई जाने लगी। प्रकाश सिंह ड्रग तस्करी के इस मॉडल का मुख्य सरगना था। जांच में सामने आया कि प्रकाश सिंह पिछले 13 साल से इंटरनेशनल ड्रग तस्करी के बड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है। साल 2012-13 में वह हेरोइन के साथ पकड़ा गया। इसके बाद वह सितम्बर 2014 तक पंजाब की जेल में रहा। इस दौरान वह अमृतसर के बड़े ड्रग स्मगलरों के लिए मीडिएटर का काम करता था। जेल में रहने के दौरान कुछ दूसरे ड्रग तस्करों से उसका कॉन्टैक्ट हुआ। जेल से बाहर आते ही उसने पाकिस्तानी ड्रग तस्करों से कॉन्टैक्ट बनाए। इसके बाद वह साल 2015 के बाद से बॉर्डर पर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने लगा। वह आईएसआई के जरिए आने वाली हेरोइन को बॉर्डर पर भेजने की लोकेशन बताता था। यानी बॉर्डर पर कहां पर किस जगह ड्रग के पैकेट गिराने हैं, ये सारे काम प्रकाश सिंह करता था। इसके बाद वह ड्रग तस्करों तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को उसने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात में सप्लाई किया। ये भी सामने आया कि पिछले कुछ सालों में बॉर्डर पर ड्रोन के जरिए आई ड्रग में भी प्रकाश सिंह की बड़ी भूमिका आ रही है।

सोशल मीडिया के जरिए वह आईएसआई के कॉन्टैक्ट में था। उसे बताया जाता था कि उसे अब कौनसा टास्क करना है। इस दौरान सेना से जुड़ी जानकारी वह पाकिस्तान भेजने लगा। वह राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में अपने आपको मार्बल का मिस्त्री बताता था। जांच में सामने आया कि प्रकाश ने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात से भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी और गोपनीय सूचना पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजी थी। इसके बदले में उसे मोटी रकम दी जा रही थी।

सीआईडी इंटेलिजेंस के आईजी प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि प्रकाश दूसरों के मोबाइल नंबर लेकर उनके नाम से वॉट्सएप अकाउंट बनाता था। उन अकाउंट्स से पाकिस्तानी हैंडलर जासूसी और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाते थे। इसके बदले उसे मोटी रकम भी मिल रही थी। प्रफुल कुमार ने बताया कि 27 नवंबर को श्रीगंगानगर के साधुवाली सैन्य क्षेत्र के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने उसे दबोच लिया। मोबाइल चैक किया तो कई पाकिस्तानी नंबरों से चैटिंग मिली। फिर जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर श्रीगंगानगर और बाद में जयपुर ले जाकर सभी खुफिया एजेंसियों ने गहन पूछताछ की। डिजिटल डेटा से सारी बातें साबित हो गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकट गांगाणा फांटा के पास में सोमवार की देर शाम बाइक सवार दो युवकों को ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की तत्काल मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार जारी है। परिजन ने मृतक के परिवार को आर्थिक मदद की मांग की। मृतक परिवार में इकलौता कमाने वाला था। दोपहर तक परिजन का धरना-प्रदर्शन जारी था। परिजन ने प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग भी रखी। हालांकि दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त करने के साथ उसके चालक को भी पकड़ लिया।

बोरानाडा पुलिस के अनुसार शंकर नगर, सांगरिया निवासी गजेंद्र वैष्णव पुत्र रामचंद्र वैष्णव की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका साला चांदपोल निवासी नरेश वैष्णव पुत्र मुरलीधर वैष्णव फोटोग्राफी का काम करता था। सोमवार की शाम को अपनी बाइक साथ परिचित के साथ गांगाणा फांटा से निकल रहा था, तब एक ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसके साले नरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथ वाला घायल हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इधर इस घटना को लेकर मृतक के बहनोई गजेंद्र का कहना है कि मृतक अपने परिवार में एक मात्र कमाने वाला था। पिता भी बीमार है।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल के दूसरे दिन लोक कलाकारों के संग थिरके पर्यटक

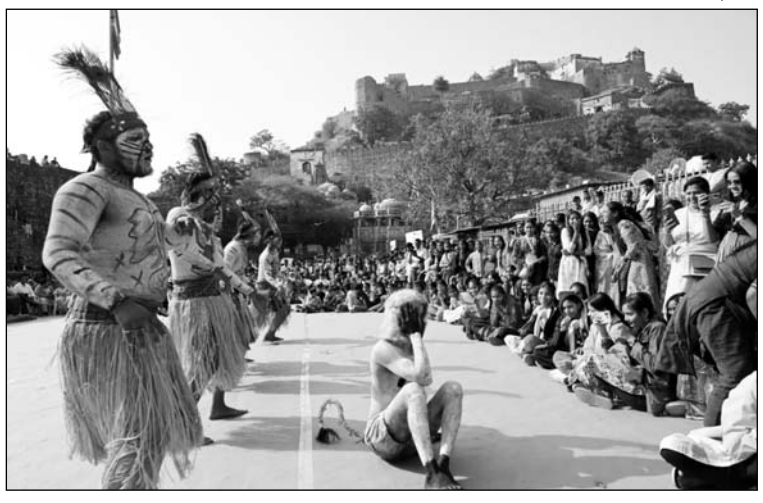

तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल के तहत लोक कलाकारों ने लोक नृत्य पेश किये। वहीं देशी-विदेशी पर्यटकों ने भी पारंपरिक लोक नृत्यों का आनंद लिया।

राजसमंद, (निसं)। तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल का दूसरा दिन भी उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सूर्योदय से लेकर देर शाम तक आयोजित कार्यक्रमों में देशी-विदेशी पर्यटकों की उल्लेखनीय भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा दुर्ग परिसर जीवंत माहौल से भर उठा।

दिनभर मंच पर चकरी, सहरिया, चंग-ढप, कच्छी घोड़ी, लाल अंगी, बांकिया, बहरूपिया, कालबेलिया, लंगा और गवरी जैसी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की अद्भुत प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। लोक कलाकारों की सजीव प्रस्तुति पर पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और कई अवसरों पर वे लोक धुनों पर थिरकते भी नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और पर्यटकों की सामूहिक सहभागिता ने पूरे वातावरण में उल्लास का अनोखा दृश्य प्रस्तुत किया।

शाम लोकराग-संदीप रत्नू द्वारा प्रस्तुत लोक संगीत का नाट्यय कार्यक्रम दिन का मुख्य आकर्षण रहा। प्रभावशाली मंचन और मधुर लोक धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसके बाद परिसर तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। पगड़ी बांधो प्रतियोगिता में भी पर्यटकों ने विशेष रुचि दिखाई और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने गतिविधि में भाग लिया। दूसरे दिन कुंभलगढ़ दुर्ग में आगंतुकों की लगातार आवाजाही रही। प्राचीन वास्तुकला, प्राकृतिक सौंदर्य और राजस्थानी संस्कृति की मिश्रित अनुभूति ने आगंतुकों को पूरा दिन व्यस्त रखा। परिवारों, युवा समूहों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की सक्रिय भागीदारी से फेस्टिवल परिसर में लगातार रौनक बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उप निदेशक शिखा सक्सेना, एसडीएम साक्षी पूरी, सहायक निदेशक विवेक जोशी, सहायक निदेशक जितेंद्र माली, पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी और बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए पर्यटक उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर के अंतर्गत 29 नवंबर को सुबह 8:30 बजे प्रियदर्शनी नगर के पास सुवाणा हलेड रोड के पास खाली जमीन पर एक व्यक्ति की लाश मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान महेन्द्र सिंह पंवार के रूप में की।

- परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई थी

परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और सी ओ सदर माधव उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच की, जिसमें यह पाया गया कि मृतक को पीछा करते हुए ट्रैक्टर से टक्कर मारकर कुचलकर हत्या की गई। पूछताछ के दौरान पुलिस ने करीब 20 संदिग्धों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि आरोपी रामेश्वर पुत्र रामचंद्र, जो लक्ष्मीपुरा थाना बनेड़ा का निवासी है, ने अपने फार्म ट्रैक्टर से मार्निंग वॉक पर निकले महेन्द्र सिंह को टक्कर मारकर हत्या की। दोनों आरोपी और मृतक दोस्त थे और करीब 7-8 वर्षों से दूध डेयरी के व्यवसाय में साथ थे, लेकिन महेन्द्र के आरोपी की पत्नी से अवैध संबंध होने से रामेश्वर ने हत्या की साजिश रची। आरोपी ने बताया कि वह सुबह करीब 4 बजे कच्चे रास्ते पर इंतजार करता रहा और जैसे ही महेन्द्र सड़क पर आया, उसने ट्रैक्टर से टक्कर मारी। महेन्द्र बचने की कोशिश कर खेतों की ओर भागा, लेकिन आरोपी ने पीछे जाकर फिर से टक्कर मारी और उसे ट्रेक्टर के आगे के टायर के नीचे कुचल दिया। हत्या के बाद आरोपी ने अपने घर जाकर रोजाना की दिनचर्या शुरू कर दी ताकि किसी को शक ना हो। पुलिस को मुखबीर की सूचना मिली, जिसके बाद रामेश्वर को पकड़ लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं।
-तिलक वर्मा

भारतीय बल्लेबाज, अपनी फिटनेस की सलाह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रॉबिन स्मिथ

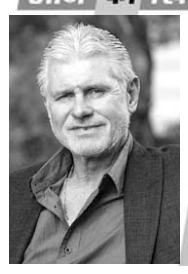

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्मिथ के परिवार उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक दिसंबर को साउथ पर्थ में अपार्टमेंट में स्मिथ का अचानक निधन हो गया। स्मिथ ने 1988 और 1996 के बीच इंग्लैंड के लिए खेले 62 टेस्ट मैचों में 43.67 की औसत से 4,236 रन बनाए, जिसमें नौ शतक भी शामिल थीं, और वह उस टीम का हिस्सा थे जो 1992 विश्वकप फाइनल तक पहुंची थी। अपनी मौत से ठीक दो हफ़्ते पहले, स्मिथ ने पर्थ के लिलाक हिल में इंग्लैंड लायंस टीम के टूर मैच के दौरान एक दोपहर उनके साथ बिताई थी।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर के 463 वनडे, 664 ओवरऑल इंटरनेशनल मैच और 2,278 वर्ल्ड कप रन भी विराट कोहली के लिए कभी ना पा सकने वाली चुनौती हैं।

रायपुर सीरीज में अजेय बढ़त के लिए उतरेगा भारत

रायपुर, 2 दिसंबर। पहले एकदिवसीय में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद भारत बुधवार को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में अजेय बढ़ाने उतरेगा। वहीं पिछले मैच में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करनी वाली दक्षिण अफ्रीका के तीन मैचों की सीरीज में बराबरी का अवसर होगा।

पहले मैच में विराट कोहली के 135 रन सिर्फ एक आंकड़े से कहीं अधिक थे। यह पारी को गति देने, हालात को समझने और साझेदारी संभालने का एक मास्टरक्लास था। रोहित शर्मा का लगातार योगदान और केएल राहुल की जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाने की काबिलियत भारत की बल्लेबाजी लाइनअप की गहराई और अनुभव को दिखाती है। यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा प्रतिभाशाली शीर्षक्रम और मध्यम क्रम में जोश भरते हैं। यह एक ऐसा फॉर्मूला है जिसे भारत दोहराना चाहेगा। वहीं गेंदबाजी की बात करे तो कुलदीप यादव और हर्षित राणा ने कंसिस्टेंसी और स्मार्ट वैरिएशन की अहमियत दिखाई। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा शुरुआती मूवमेंट का फायदा उठाने के लिए जरूरी तेज गेंदबाजी आक्रमण देते हैं, जबकि लाइट्स में पिच धीमी होने पर स्पिनर्स भी मैच जिता सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की बात करे तो उसने रांची के हाई-स्कोरिंग कंडीशंस में मजबूती दिखाई। क्विंटन डी कॉक शीर्षक्रम में खतरा बने हुए हैं, जिनमें पारी की रफ़्तार तय करने में काबिल हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके, मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश ने दिखाया कि निचले क्रम में साझेदारी कर मैच का पासा पलट सकती हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की गहराई और अप्रत्याशित पर दबाव पड़ता है।

नंद्रे बर्गर और ओटनील बार्टमैन की अगुवाई में गेंदबाजी आक्रमण विविधता और भेदने की क्षमता देता है, जिससे पता चलता है कि पहले मैच में पिछड़ने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका चुपचाप नहीं खेलेगा। पिच की अगर बात की जाये तो शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम की पिच तो यह तेज गेंदबाज शुरुआती मूवमेंट हासिल कर सकते हैं, बल्लेबाजों को अपनी पारी पर ध्यान से आगे बढ़ाना होगा, और जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, स्पिनर्स खेल में आएंगे।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए भारत की संभावित टीम: रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

दक्षिण अफ्रीका टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), एडन मारक्रम, मैथ्यू ब्रीट्जके, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को जेनसेन, कॉर्बिन बॉश, प्रेनेलन सुब्रायन, केशव महाराज, नंद्रे बर्गर और ओटनील बार्टमैन।

चोटिल ख्वाजा टेस्ट से हुये बाहर

गाबा, 2 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज पीठ की चोट के कारण गुरुवार को शुरु होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर हो गये है। ख्वाजा

की जगह अभी किसी अन्य बल्लेबाज का चयन नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि जॉश इंग्लिस और ब्यू वेबस्टर की ऑस्ट्रेलियाई एकादश में वापसी हो सकी है। ख्वाजा ने मंगलवार को थोड़ी देर अभ्यास किया और इस दौरान उन्हें तकलीफ हो रही थी। वह अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। यह देखना बाकी है कि उनकी जगह कौन ओपनिंग करेगा। मार्नस लाबुशेन ने पर्थ टेस्ट की पहली पारी में ओपनिंग की थी, जबकि ट्रैविस हेड ने दूसरी पारी की शुरुआत की थी। पर्थ में चौथी पारी में शानदार प्रदर्शन के बाद, हेड ने संकेत दिया है कि उन्हें ओपनिंग करने में खुशी होगी। इंग्लिस ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार शतक लगाया था ऐसे में अगर उनका चयन होता है तो वह भी एक विकल्प हो सकते हैं। इंग्लिस को लाने से ऑस्ट्रेलिया को हेड को मिडिल-ऑर्डर में बनाए रखने में मदद मिलेगी। अगर वे इसके बजाय वेबस्टर के साथ जाते हैं, तो हेड के ऑर्डर में ऊपर जाने की संभावना है। वेबस्टर ने पिछले साल भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। इस बीच, इंग्लैंड ने अपनी एकादश में एक बदलाव किया है और चोटिल मार्क वुड की जगह स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर विल जैक्स को टीम में शामिल किया है। जैक्स, जिन्होंने दूसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र के दौरान लेंथ में गेंदबाजी की थी, उन्हें फ्रंटलाइन स्पिनर शोएब बशीर से आगे रखा गया है।

इंग्लैंड एकादश: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

महिला क्रिकेट टीम को जयपुर आने की फ्लाइट टिकट नहीं मिली

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जारी सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। एडहॉक कमेटी की अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा अब खिलाड़ियों को उठाना पड़ रहा है। इसकी वजह से राजस्थान अंडर - 23 टीम की महिला खिलाड़ी नागपुर में ही अटक गई है। उनके पास जयपुर आने के फ्लाइट की टिकट नहीं है। न ही वहां ठहरने की कोई व्यवस्था है। राजस्थान अंडर - 23 विमेंस टीम जो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए नागपुर गई थी। टीम सोमवार को हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। जिसे मंगलवार को जयपुर आना था। लेकिन राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के बिगड़े वित्तीय हालत के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पास विमेंस टीम के लिए फ्लाइट टिकट बुक कराने तक की व्यवस्था नहीं है। इसकी वजह से विमेंस टीम को अब नागपुर में ही परेशान होना पड़ रहा है।

डीएलआई ने की राजस्थान ट्रॉयल्स की घोषणा, जयपुर में होगा आयोजन

जयपुर, 2 दिसम्बर। भारत की सबसे बड़ी और सबसे तेज़ी से बढ़ती टेनिस बॉल क्रिकेट लीग ड्रीम लीग ऑफ इंडिया ने राजस्थान ट्रायल्स की घोषणा की है, जिसका आयोजन 4 और 5 दिसंबर को जयपुर में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। जयपुर ट्रायल्स राधे क्रिकेट एकेडमी एंड ग्राउंड, नरसिंहपुरा, जयपुर में आयोजित होंगे, जहां सभी प्रतिभागियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8:00 बजे निर्धारित किया गया है। दिल्ली, गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा, गन्नौर, मोहाली और लखनऊ में मिली जबरदस्त सफलता के बाद अब लीग राजस्थान की उभरती हुई प्रतिभाओं को खोजने जा रही है। डीएलआई जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18 वर्ष व उससे अधिक) इन दो आयु वर्गों के क्रिकेटरों को आमंत्रित कर रहा है ताकि वे अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें और भारत के सबसे ऊर्जावान ग्रासरूट क्रिकेट प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनने का मौका पा सकें। पूर्व क्रिकेटर चैतन्य नंदा ने आगामी ट्रायल्स के बारे में कहा कि, "राजस्थान हमेशा से कच्ची क्रिकेट प्रतिभा का केंद्र रहा है और हम उस बात को लेकर बेहद उत्साहित हैं कि हमें यहां क्या मिलने वाला है?

विंडीज के गेंदबाजों का कहर, न्यूजीलैंड 231/9

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 2 दिसंबर। केन विलियमसन (52) और माइकल ब्रेसवेल (47) की जूझारू पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन मंगलवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय नौ विकेट पर 321 रन बना लिये है। वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज दिन भर जूझते नजर आये।

आज यहां वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केन विलियमसन ने कप्तान टॉम लेथम के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने टॉम लेथम 85 गेंदों में 24 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने महज 25 रन जोड़कर अपने दो और विकेट गंवा दिये। रचिन रविंद्र (तीन) और विल यंग 14 रन बनाकर आउट हुये। 49वें ओवर में जेडेन सील्स ने टॉम ब्लंडल 29 को आउटकर न्यूजीलैंड को छठा झटका दिया।

भारत ने नामीबिया को 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली, 2 दिसंबर। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं।

बांग्लादेश ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराया और सीरीज भी जीती

चटगांव (बंगलादेश), 2 दिसंबर। मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन (तीन-तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद तंजिद हसन (नाबाद 55) और परवेज हुसैन इमॉन (नाबाद 33) की शानदार पारियों के दम पर बंगलादेश ने मंगलवार को आयरलैंड को तीसरे टी-20 मुकाबले में 38 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। तंजिद हसन को प्लेयर ऑफ द मैच और महेदी हसन को प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया। 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश ने 13.4 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। तंजिद हसन और सैफ हसन सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े।

आईपीएल 2026 की नीलामी में शामिल नहीं होंगे मैक्सवेल और मोईन

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और इंग्लैंड के बल्लेबाज मोईन अली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की नीलामी में भाग नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैक्सवेल ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी साझा की है कि वह आईपीएल 2026 की नीलामी में हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि उन्होंने नीलामी से बाहर होने का कारण नहीं बताया है।

मैक्सवेल ने कहा, आईपीएल में कई अविस्मरणीय सीजन के बाद इस साल नीलामी में मैंने अपना नाम नहीं डालने का फैसला किया है। यह मेरे लिए एक बड़ा निर्णय है और इस लीग ने मुझे जो कुछ भी दिया, उसके लिए मैं बहुत आभार के साथ यह फैसला ले रहा हूं।

उन्होंने कहा, आईपीएल ने मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के रूप में गढ़ने में मेरी मदद की है। मैं बेहद सौभाग्यशाली रहा हूं कि मुझे विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और बड़ी फ्रैंचाइजियों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। इसके साथ ही उन प्रशंसकों के सामने प्रदर्शन करने का मौका मिला है जिनका जुनून अद्वितीय है। भारत की चुनौती, यादें और ऊर्जा हमेशा मेरे साथ रहेंगी। इन वर्षों में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। उम्मीद है जल्द आपसे मुलाकात होगी।

मैक्सवेल के अलावा मोईन अली भी आईपीएल 2026 की नीलामी में शामिल नहीं होंगे, फॉफ डुप्लेसी की तरह ही उन्होंने भी आईपीएल की जगह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने का फैसला किया है।

आर्यमन व आदित्य के शतकों से संस्कार की आसान जीत

जयपुर, 2 दिसम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में आर्यन कटारिया 122 रन नाबाद तथा आदित्य झाला 100 रन नाबाद के शतकों की बदौलत संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 90 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आर्यन कटारिया 122 रन नाबाद (61 गेंद, 12 चौके, 7 छक्के) तथा आदित्य झाला 100 रन नाबाद (59 गेंद, 12 चौके, 3 छक्के) की शानदार बल्लेबाजी तथा पहले विकेट पर 233 रन की अविभाजित साझेदारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में बिना कोई विकेट गवाये 233 रन बनाये। जवाबी पारी में एस जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने दिनेश मीणा 88 रन (57 गेंद, 10 चौके, 4 छक्के), शुभम खण्डेलवाल 13 रन, उमेश मीणा 11 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 143 रन बनाये। गेंदबाजी में संस्कार क्रिकेट एकेडमी की ओर से अभिषेक यादव 16 रन पर 3 विकेट, रितिन चौधरी 23 रन पर 2 विकेट, आदित्य झाला व योगेश सैनी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच आर्यमन कटारिया संस्कार क्रिकेट एकेडमी रहे।

मनोज एस ने 63 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की

जयपुर, 2 दिसंबर। सत्रह साल के नए खिलाड़ी मनोज एस ने जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के इवेंट विक्टोरियस चॉइस प्रेजेंट्स जयपुर ओपन 2025 पावर्ड बाय शुभाशीष होम्स में पहले राउंड में सात-अंडर 63 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की। बेंगलुरु के मनोज एस, जो पीजीटीआई में अपने पिछले आठ स्टार्ट्स में छह टॉप-10 में रह चुके हैं, ने मंगलवार को भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और एक बोगी के मुकाबले आठ बर्डी लगाईं। शौर्य भट्टाचार्य, दिव्यांशु बजाज, कुशल सिंह और अर्जुन प्रसाद ने छह-अंडर 64 का स्कोर बनाकर लीडर के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट लीडर युवराज संधू ने अपने हफ्ते की शुरुआत 65 के स्कोर के साथ की, जिसमें लगातार पांच बर्डी की गोल्डन रन शामिल थी।

बाराकास सेंट्रल को 2-0 से हराकर जिम्नासिया क्लॉसुरा सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स, 2 दिसंबर। मैनुअल पानारो और फ्रैंको टोरेस ने दोनों हाफ में किए गये गोलों की बदौलत जिम्नासिया ने बाराकास सेंट्रल को 2-0 से हराकर अर्जेंटीना के प्राइमेरा डिवीजन क्लॉसुरा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

रोहित और विराट के ड्रेसिंग रूम और मैदान में होने से माहौल खुशनुमा बना रहता है : राणा

रायपुर, 2 दिसंबर। तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम और मैदान में साथ रहने से माहौल खुशनुमा बना रहता है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले राणा ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय से पहले कहा, "यह मेरे लिए और पूरी टीम के लिए भी बहुत बड़ी बात है। अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम और मैदान पर आपके साथ हों, तो माहौल बहुत अच्छा रहता है। इस समय, मैदान के बाहर - यहां तक कि ड्रेसिंग रूम में भी - पूरी टीम के लिए खुशी का माहौल होता है। हर कोई बेहतर बनना चाहता है। उनके मन में, वे हमेशा चाहते हैं कि युवा बेहतर बनें। जैसे, जब मैं गेंदबाजी कर रहा होता हूं, तो वे हमेशा मुझे बताते हैं कि बेहतर गेंदबाजी कैसे करनी है। जब किसी खिलाड़ी को इतना अच्छा टीम माहौल मिलता है, तो चीजे अपने आप अच्छी हो जाती हैं।"

उन्होंने कहा, "वे हमेशा मोटिवेटेड रहते हैं - चाहे अच्छा समय हो या बुरा। वे आपका साथ देते हैं और आपको बताते हैं कि आपको आगे क्या कदम उठाने चाहिए। एक युवा खिलाड़ी के तौर पर, इससे आपको सच में मदद मिलती है, क्योंकि जब आप मैदान पर होते हैं - दबाव वाली स्थिति में - तो वे आपकी बहुत मदद करते हैं।"

उन्होंने कहा, "नई गेंद से, मैंने गेंदबाजी कोच मॉर्कल के साथ बहुत अभ्यास किया है, और अर्शदीप सिंह से भी बहुत बात की है। उनके पास बहुत अनुभव है, और वह अभ्यास में यह बताकर मेरी मदद करते हैं कि मुझे बेहतर गेंदबाजीकैसे करनी चाहिए।" राणा ने कहा, "आप जानते हैं कि आज के क्रिकेट में गेंदबाजों को उतनी मदद नहीं मिलती। यह नियम हमारे लिए बहुत मददगार रहा है, क्योंकि वह एक पुरानी गेंद, हम हमेशा अपने दिमाग में रखते हैं। 34वें ओवर के बाद जो भी गेंद पुरानी होती है।

लांस वाटसन-पद्मनाभ सिंह की बदौलत जयपुर ने चूंडा टीम को हराया

जयपुर, 2 दिसम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड परजयपुर पोलो ओर चूंडा पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमेंजयपुर पोलो टीम ने चूंडा टीम को 6 के मुकाबले 8 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर से अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लांस वाटसन ने 3 गोल ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 4 गोल किये।डीनो धनखड़ ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। चूंडा टीम की ओर से फ्रेडेनिक डेनियल ने अकेले ही अपनी टीम के लिए 6 गोल किये पर टीम को विजय करने में विफल रहे।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया

राजस्थान की जीत में दीपक, अशोक, मानव चमके

जयपुर, 2 दिसम्बर। अहमदाबाद में खेली जा रही सैयद मुशताकअली टी20 ट्रॉफी के आज खेले राजस्थान - उत्तराखण्डमैच में राजस्थान 73 रनो के विशाल अंर्तसे जीता, राजस्थान की जीत में दीपक हुड्डा, अशोक शर्मा, मानव सुथार चमके। राजस्थान पारी 193/8, टीम के लिएदीपक हुड्डा नाबाद 90 रन (50 गेंद, 10 चोक्के, 3 छक्के), महिपाल लोमरोर 26, भरत शर्मा 24, कार्तिक शर्मा 18 रनाउत्तराखंड के गेंदबाज राजन 37/4, तिवारी 33/2 विकेट। उत्तराखंड पारी 120 आल आउट। टीम के लिए शाश्वत 25 व राजन 24 रन।राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा, मानव सुथार, कमलेश नागरकोटी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। अशोक शर्मा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट प्राप्त किये। अशोक शर्मा 16/4, मानव सुथार 21/3, कमलेश नागरकोठी 32/2 व राहुल चाहर 29/1 विकेट प्राप्त किये।

बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में जतिन का नाबाद शतक

जयपुर, 2 दिसम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान ने विधर्भ के विरुध्दपहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त की, राजस्थान के बल्लेबाज जतिन का नाबाद शतक व आदित्य सैनी, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल, रक्षित लुनावत, नावेद खान की शानदार बल्लेबाजी।विधर्भ पहली पारी 186 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 16/3, नावेद खान 15/2, प्रखर शर्मा 46/2, हनी प्रताप सिंह, अभिषेक 1-1 विकेट। राजस्थान पहली पारी 381/9,आज दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने जतिन सैनी की नाबाद शतकीय पारी व आदित्य सैनी, कुशाग्र ओझा के अर्धशतकों की सहायता से 9 विकेट के नुकसान पर 381 रन बनाते हुए पहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त कर टीम को मजबूत स्तिथि में पहुँचाया। टीम के लिए जतिन नाबाद 114, आदित्य सैनी 57, कुशाग्र ओझा 53, रजत बघेल 41, रक्षित लुनावत 38, नावेद खान 32 व प्रखर शर्मा 11 रन। विधर्भ के गेंदबाज सार्थक 69/3, इकनूर 84/2 विकेट।

खेलों इंडिया पहल से किशोरों को जीवन का उद्देश्य मिला : क्लार्क

जयपुर, 2 दिसंबर। भारतीय टेनिस सर्किट में एक जाना-पहचाना नाम बन चुके ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉड क्लार्क ने खेलो इंडिया पहल सराहना करते हुए कहा कि इससे किशोरों को जीवन का उद्देश्य मिलता है। 2008 में भारत आने के बाद से क्लार्क ने यहां रहकर देश की संस्कृति को करीब से अपनाया है। वर्तमान में वे ओडिशा स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में टेनिस निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में अपने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। क्लार्क का कहना है कि खेलो इंडिया गेम्स ने देशभर में किशोरों को सही दिशा और उद्देश्य दिया है। क्लार्क साई मीडिया से कहा, उबाऊ किशोरावस्था से ज्यादा परेशान करने वाली कोई चीज नहीं होती। इन खेलों ने देशभर में युवाओं को खेल अपनाने, उसमें आगे बढ़ने और करियर बनाने का मौका दिया है। खेल चरित्र भी विकसित करते हैं। 30 से अधिक वर्षों से कोचिंग कर रहे क्लार्क ने भारत सरकार की फिट इंडिया के प्रति प्रतिबद्धता की भी सराहना करते हुए कहा, वर्तमान केंद्र सरकार फिट इंडिया के विचार को लेकर काफी गंभीर है। ये खेल युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाएंगे और खेल ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। जयपुर में अब तक जो सुविधाएं देखी हैं, वे प्रभावशाली हैं।

केआईयूजी 2025 : सुरभि राव ने महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल में गोल्ड जीता

राहुल (पुरुषों की 20 किमी. रेस वॉक) और दीपिका (महिलाओं की जेवलिन थ्रो) ने स्वर्ण जीता

जयपुर, 2 दिसंबर. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के राहुल (पुरुषों की 20किमी रेस वॉक) और दीपिका (महिलाओं की जेवलिन थ्रो), स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रुचिर मोरी (पुरुषों की 400मी बाधा दौड़), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की पूजा (महिलाओं का हाई जंप) ने मंगलवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में जारी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में एथलेटिक्स मुकाबलों के दूसरे दिन केआईयूजी मीट रिकॉर्ड तोड़े।

केआईयूजी 2025 का पांचवां संस्करण राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल वाले खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इसे होस्ट कर रही है।

सुबह के सेशन में, राहुल ने 20 किमी रेस वॉक में शुरू से आखिर तक लीड किया और घड़ी को 1:25:43.00 पर रोक

दिया, जिससे पंजाबी यूनिवर्सिटी के अक्षदीप सिंह के 2022 में बनाए गए 1:26:44.00 के पिछले रिकॉर्ड में सुधार हुआ। जननायक चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी के सूरज यादव ने 1:30.06.50 के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि बाकी दो प्रतिभागी अयोग्य घोषित हो गए।

बाद में, स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रुचिर मोरी ने रानी चन्नम्मा यूनिवर्सिटी के अमरनाथ डी के 51.76 सेकेंड के पहले के केआईयूजी मार्क में सुधार किया और घड़ी को 51.00 सेकेंड

पर रोक दिया, क्योंकि वह इस इवेंट में अकेले रनर थे, इसलिए रिकॉर्ड बना रहेगा लेकिन उन्हें गोल्ड मेडल नहीं दिया जाएगा। इसके बाद ज्योति ने 1.77 मीटर की ऊंचाई पार करके हाई जंप में गोल्ड जीता, जिससे ठोसेना मर्ली के पिछले केआईयूजी रिकॉर्ड में एक मीटर का सुधार हुआ। गुरु काशी यूनिवर्सिटी की ख्याति माथुर (1.71 मीटर) ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि अन्ना यूनिवर्सिटी की गिजी जॉर्ज स्टीफन (1.68 मीटर) ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

इसके बाद दीपिका रिकॉर्ड तोड़ने वालों की लिस्ट में शामिल हो गईं। उन्होंने 55.53 मीटर की दूरी तक जेवलिन फेंककर गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले का रिकॉर्ड चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी की ज्योति के नाम था, जिन्होंने 53.16 मीटर की दूरी तय की थी। पिछले संस्करण के केआईयूजी चैंपियन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को कैनो और कयाकिंग में सात गोल्ड मेडल सहित 11 गोल्ड मेडल जीते, जिससे उनके गोल्ड मेडल की संख्या 22 हो गई। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने भी एथलेटिक्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर 23 गोल्ड मेडल के साथ अपना तीसरा स्थान और पक्का कर लिया। जगतपुरा शूटिंग रेंज में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की सुरभि राव ने महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल इवेंट में कुल 238.9 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। मानव रचा यूनिवर्सिटी की वाणी कौशल ने 237.6 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की लक्षिता ने 216.8 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

सुरभि ने साई मीडिया को बताया, मुझे खुशी है कि मैंने आज गोल्ड जीता क्योंकि यह यूनिवर्सिटी गेम्स में मेरा आखिरी मौका था। मुझे खुशी है कि मैंने गोल्डन नोट पर खत्म किया।पुरुषों का हॉकी फ़ाइनल गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेला जाएगा, जिन्होंने सेमीफ़ाइनल में एक जैसी जीत दर्ज की थी। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया, जबकि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया।

प्रधानमंत्री से भजनलाल व मदन राठौड़ की मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल की चर्चा तेज हुई

कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रस्तावित फेरबदल की विस्तृत जानकारी दी

- प्रधानमंत्री के बाद, मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात के कारण राजनीतिक अटकलें और तेज हो गईं।
- इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा बुधवार को 3 बजे मंत्रिमंडल व 4 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जयपुर, 2 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात को राजस्थान के राजनीतिक हलकों में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चर्चा है कि मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में प्रस्तावित फेरबदल के बारे में प्रधानमंत्री को विस्तृत जानकारी दी है और हरी झंडी मिलने के बाद राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार या बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की, जिससे राजनीतिक अटकलें और तेज हुई हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को 10 दिसंबर को जयपुर में होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह में आमंत्रित किया है। पिछले साल राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान, हर साल प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इस बार इसका पहला आयोजन जेईसीसी, जयपुर में होगा, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ना और उनके योगदान का सम्मान करना है। राइजिंग राजस्थान समिट का उद्घाटन भी पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की।

राज्य में भजनलाल सरकार के दो वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन अब तक मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियां लंबित हैं। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश में गलियारों में चर्चा जोरों पर है। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की नई टीम घोषित होने के बाद राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए बाकी नेताओं व पदाधिकारियों को समायोजित किए जाने की तैयारी भी चल रही है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक बुलाई है। सचिवालय में दोपहर 3 बजे मंत्रिमंडल और 4 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। माना जा रहा है कि इन बैठकों में कई अहम फैसले किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री का पांच दिनों में दिल्ली का यह दूसरा दौरा था।

'संचार साथी ऐप अनिवार्य नहीं है, आप इसे डिलीट भी कर सकते हैं'

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य ने इस एप को लेकर चल रही आशंकाएं दूर करने की कोशिश की

- जब से सरकार ने ''संचार साथी ऐप'' प्री इंस्टाल करने और सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए इसे पुश करने के लिए मोबाइल कंपनियों को अल्टीमेटम दिया है, तब से आशंकाओं का बाज़ार गर्म है और विपक्ष सरकार पर लोगों के मोबाइल फोन में ''स्नूपिंग'' का आरोप लगा रहा है।
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई पुराने मामले उठाकर संचार साथी ऐप के स्नूपिंग ऐप होने की आशंका जताई। प्रियंका गांधी ने भी इसे जासूसी की कोशिश करार दिया।
- हालांकि, सरकार का कहना है कि यह ऐप धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स, खोए फोन का पता लगाने व फोन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। पर, फिलहाल सरकार की दलील पर भारी संदेह है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को संचार साथी ऐप से जुड़ी चिंता को दूर करने का प्रयास किया और कहा कि ''संचार साथी'' ऐप अनिवार्य नहीं है और उपयोगकर्ता इस पर रजिस्टर न करने या, यहाँ तक कि, इसे डिलीट करने का विकल्प भी चुन सकते हैं, लेकिन विपक्षी नेताओं की गोपनीयता उल्लंघन की आशंकाएं बनी हुई हैं।

28 नवंबर को, दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट के निर्माताओं और आयातकों को निर्देश जारी किए थे कि वे भारत में उपयोग के लिए निर्धारित मोबाइल फोन पर इस ऐप को प्री इंस्टॉल करें, और पहले से निर्मित और बेचे गए उपकरणों पर सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से 90 दिनों के भीतर ''संचार साथी'' ऐप को पुश करें। सिंधिया ने कहा कि इस ऐप का विकास धोखाधड़ी कनेक्शनों की पहचान, चोरी हुए फोन का पता लगाने और सुरक्षा लागू के लिए बनाया गया है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यह ऐप जासूसी या कॉल की निगरानी करने में सक्षम नहीं है।

विपक्षी नेता इससे सहमत नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ''सरकार का यह एकतरफा कदम, बिना किसी को विश्वास में लिए ऐप को प्रीलोड करना, तानाशाही जैसा है। उनके तर्क सरकार के निजी स्वतंत्रता को कुचलने के पूर्व प्रयासों से संबंधित धारणाओं पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने डिजिटल गोपनीयता को कुचलने के लिए कदम उठाए, जिससे रोज़ाना की ऑनलाइन गतिविधियाँ 24X7 निगरानी क्षेत्र में बदल गईं। सरकार ने डीपीडीपी एक्ट में संशोधन के माध्यम से आरटीआई ढाँचे का गला घोंटा और पैगसस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और दूसरों पर जासूसी करने के लिए किया।''

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने संचार साथी को एक ''स्नूपिंग ऐप'' कहा, और कहा कि वर्तमान शासन देश को हर रूप में तानाशाही में बदलने की कोशिश कर रहा है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस घटनाक्रम को एक और ''बिग बॉस निगरानी क्षण'' करार दिया।

यह आशंकाएं पूरी तरह से निराधार नहीं हैं। ''संचार साथी'' की आधिकारिक नीति के अनुसार, कोई भी व्यक्तिगत डेटा उपयोगकर्ताओं को सूचित किए बिना एकत्र नहीं किया जाएगा, और यदि जानकारी एकत्र की जाती है, तो इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अलावा किसी अन्य एजेंसी या व्यक्ति के साथ साझा नहीं किया जाएगा। इसी समय, पॉलिसी पेज यह भी स्पष्ट करता है कि इस ऐप को कार्य करने के लिए भारी ड्यूटी एक्सेस की आवश्यकता होती है। इसमें कॉल करने और प्रबंधित करने, एसएमएस भेजने, कॉल और एसएमएस लॉग, कैमरा, फ़ंक्शन और फोटो और फाइलों तक पहुँच जैसी अनुमतियाँ शामिल हैं।

एक अन्य कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- मेवाड़ में नियुक्तियों पर प्रभारी रंधावा वो ही कर रहे हैं, जो डॉ. सी.पी. जोशी व अन्य एक दो वरिष्ठ नेता चाहते हैं।
- अब झारखंड राज्य भी कांग्रेस के हाथ से निकल गया और राजस्थान में भी ट्राइबल्स व ओबीसी कांग्रेस के खिलाफ रहे थे, यह स्थिति ढाई साल बाद राजस्थान में होने वाले चुनाव में कांग्रेस को झटका दे सकती है।

कर रहे हैं, जो यह दावा करते हैं कि मेवाड़ क्षेत्र पर उनका प्रभाव है।

मेवाड़ में 7 ज़िले हैं- उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर और प्रतापगढ़।

इन 7 ज़िलों में स्थिति इस प्रकार है:

तीन ज़िला अध्यक्ष आदिवासी समुदाय से हैं (उदयपुर ग्रामीण, डूंगरपुर और बांसवाड़ा)।

दो ज़िला अध्यक्ष राजपूत समुदाय से हैं (उदयपुर शहर और चित्तौड़गढ़)।

एक ज़िला अध्यक्ष ब्राह्मण समुदाय से है (सलूंबर- परमानंद मेहता)।

प्रतापगढ़ ज़िले में अध्यक्ष की नियुक्ति लंबित है, क्योंकि दो राजपूत उम्मीदवार- दिग्विजय सिंह और भानु प्रताप सिंह दावेदार हैं।

सात में से तीन-चार डीसीसी अध्यक्षों का राजपूत समुदाय से होना, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अच्छा संदेश नहीं देता। वैसे भी, अधिकांश राजपूत वोटर भाजपा के समर्थक माने जाते हैं।

उदयपुर संभाग में अधिकांश वोटर अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से हैं, और दूसरी सबसे बड़ी संख्या ओबीसी मतदाताओं की है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पूरे मेवाड़ में एक भी ओबीसी ज़िला अध्यक्ष नहीं है। यहाँ तक कि राजसमंद ज़िला, जहाँ अभी नियुक्तियाँ लंबित हैं, वहाँ भी जो नाम सूचीबद्ध किया गया है, वह राजपूत समुदाय से है और सीपी जोशी का करीबी है।

रंधावा लंबे समय से राजस्थान के प्रभारी हैं। लेकिन चूंकि वह डोटासरा, जोशी और गहलोत के गुट का हिस्सा हैं, इसलिए वे उन्हीं की लाइन पर काम कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में, वह न केवल कांग्रेस को नुकसान पहुँचा रहे हैं बल्कि राहुल गांधी के एजेंडा को भी कमज़ोर कर रहे हैं।

राजसमंद ज़िले में ओबीसी समुदाय को अध्यक्ष पद देना ज़्यादा उचित होगा।

लोकसभा में 9 और 10 दिसम्बर को एसआईआर पर चर्चा होगी

लोकसभा अध्यक्ष के साथ बैठक में विपक्ष और सरकार में सदन चलाने की सहमति बनी

- इस सहमति के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि बुधवार से लोकसभा सुचारु रुप से चलेगी।

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। विपक्ष और सरकार के बीच संसद में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा को लेकर बना गतिरोध आज समाप्त हो गया। दोनों पक्षों में लोकसभा में आगामी मंगलवार और बुधवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने को लेकर सहमति बन गयी है।

इस सहमति के बाद उम्मीद है कि बुधवार को सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी। सोमवार से शुरु हुए शीतकालीन सत्र के पहले दो दिन विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर दोनों सदनों में भारी हंगामा किया, जिसके कारण कामकाज बाधित हुआ।

गतिरोध को देखते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज दिन में विपक्षी दलों के सदन के नेताओं की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह सहमति बनी। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि सोमवार को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ तथा मंगलवार को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा की जाएगी।

इससे पूर्व, आज दूसरे दिन दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच भी रिजिजू ने कहा था कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को, चर्चा कब कराई जाएगी इसको लेकर कड़ा रुख नहीं अपनाना चाहिए। सभी मुद्दे महत्वपूर्ण हैं और सरकार किसी भी मुद्दे पर नियमों के अनुरूप चर्चा कराने को तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा तुरंत कराने की अपनी बात अड़ा हुआ था।

पायलट को बचाने के स्वदेशी एस्केप सिस्टम का ट्रायल सफल

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। सैन्य क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लड़ाकू विमान की एस्केप प्रणाली का एक सफल उच्च-गति रॉकेट-स्लेड परीक्षण किया है, जिसकी जानकारी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दी। स्वदेशी लड़ाकू विमान की सुरक्षा तकनीक के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। रक्षा मंत्रालय की ओर से एक्स पर इस परीक्षण का एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें बताया गया है कि यह टेस्ट चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में 800 किमी/घंटे कंट्रोल्ड स्पीड पर किया गया था। इस सफल परीक्षण के बाद भारत दुनिया के उन चंद देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास पायलट इजेक्ट सिस्टम की यह जटिल प्राणाली है।

जासूसी के केस में ब्रह्मोस के वैज्ञानिक निशांत प्रदीप अग्रवाल को बड़ी राहत

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनकी आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी पर लापरवाही मामले में उन्हें दोषी माना है।

मुंबई, 2 दिसंबर। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने मंगलवार को जासूसी मामले में ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक निशांत प्रदीप कुमार अग्रवाल को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी। हालांकि, अदालत ने लापरवाही के लिए उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा। निशांत पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ गोपनीय मिसाइल संबंधी जानकारी साझा करने का आरोप था।

पिछले वर्ष जून में यहां की एक सत्र अदालत ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व इंजीनियर निशांत प्रदीपकुमार अग्रवाल को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अग्रवाल को 2018 में गिरफ्तार किया गया था।

उनकी दोषसिद्धि को आंशिक रूप से पलटते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह दिखाने में विफल रहा कि उन्होंने (निशांत) भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या संरक्षा को खतरे में डालने या समाज में आतंक फैलाने जैसा कोई कार्य किया हो। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति प्रवीण पाटिल की खंडपीठ ने सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) के प्रमुख आरोपों से निशांत अग्रवाल को बरी कर दिया और उनकी उम्रकैद की सजा भी रद्द कर दी।

एसआईआर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि सोरेन ने चुपचाप दिल्ली में वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकातें की हैं, जिससे उनकी संभावित राजनीतिक नज़दीकियों की अटकलें तेज़ हो गई हैं। भले ही कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है, लेकिन इन मुलाकातों से विपक्षी एकता की कमजोर स्थिति साफ़ दिखाई देती है।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पहले ही कांग्रेस-नेतृत्व वाली सामूहिक रणनीति से दूरी बना चुकी है और कई राष्ट्रीय मुद्दों पर समानान्तर रुख रखती है। उधर अरविंद केजरीवाल की आप खुलकर कह चुकी है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है, जिससे कभी महत्वाकांक्षी रहा यह गठबंधन और कमज़ोर हो गया है।

यह बिखराव ऐसे समय हो रहा है जब भाजपा, कांग्रेस को अपने मुख्य राष्ट्रीय प्रतिद्वंदी के रूप में देखती है। भाजपा की रणनीति के अनुसार, क्षेत्रीय दल उनकी बढ़ती ताकत के लिए बड़ा खतरा नहीं हैं; असली चुनौती कांग्रेस ही है, जो कई राज्यों में भाजपा की राजनीतिक तौर-तरीकों और वोट बैंक को टक्कर दे सकती है। आंतरिक अविश्वास बढ़ने और छोटे सहयोगियों के दूर होने के साथ, इंडिया गठबंधन अब एक निर्णायक एवं महत्वपूर्ण परीक्षा से गुजर रहा है।

यह गठबंधन फिर से एकजुट हो पाएगा या शुरुआती दरारें बड़े टूटन का रूप लेंगी, यही सवाल शीतकालीन सत्र की राजनीतिक हलचल पर छाया हुआ है।

एयरपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे चेक-इन प्रक्रिया धीमी हो गई। हालांकि अब सिस्टम धीरे-धीरे ठीक हो रहा है, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में अभी थोड़ा समय लग सकता है।

इसके साथ, एअर इंडिया ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति (फ्लाइट स्टेटस) जरूर जांच लें।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन अभियुक्त ने उससे वेलेन्टाइन डे सेलिब्रेट करने का कहकर घर आने को कहा था, किसी को बिना बताए वो चली गई थी। इसके बाद अभियुक्त ने उसे नशीली मिठाई खिलाई। जब उसे होश आया तो वह दिल्ली में थी। यहां अभियुक्त ने उसके साथ कई बार संबंध बनाए। बाद में पुलिस के कहने पर अभियुक्त उसे वापस ले आया था।

अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि उसे इस मामले में रंजिशवश फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर विचार विमर्श करेंगे।

गौरतलब है कि मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में संसद भवन में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें विपक्ष की मांग को मानते हुए, लोकसभा में चुनाव सुधार से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कराई जाएगी।

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने पर सहमति बन गयी है और उन्हें उम्मीद है कि बुधवार से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित होगी। विपक्षी गठबंधन के सदस्य शीतकालीन सत्र के पहले दिन से एसआईआर पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे हैं, जिसके कारण सदन नहीं चल पा रहा है।

आईएनएस अरिदमन पनडुब्बी परीक्षण के अंतिम चरण में पहुंची

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मंगलवार को कहा कि भारत की तीसरी स्वदेशी परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन अब परीक्षण के अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया जायेगा।

अरिहंत श्रेणी की तीन परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बियों से संबंधित इस पनडुब्बी में विस्तारित मिसाइल पेलोड है, जिससे यह अगस्त 2024 में शामिल की गई आईएनएस अरिधाट की तुलना में अधिक लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है।

नौसेना प्रमुख ने बुधवार को होने वाले नौसेना दिवस समारोह से पहले वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि नौसेना के पहले चार राफेल विमानों के 2029 में आने की योजना है। विमानवाहक पोतों पर तैनात किए जाने वाले ऐसे 26 विमानों के लिए द्विपक्षीय समझौते को अप्रैल में फ्रांस के साथ अंतिम रूप दिया गया था, और समझौते के पांच साल बाद इनकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी। इस पैकेज में हथियार, पुर्जे और सहायक उपकरण शामिल हैं और ये लड़ाकू विमान आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे।

अब झारखंड ...

- चर्चा तो यह भी है कि कांग्रेस का झारखंड में विभाजन भी हो सकता है और हो सकता है कि एक बड़ा धड़ा हेमंत सोरेन की सरकार के समर्थन में आ जाए।
- राहुल के एक अन्य करीबी, के. राजू झारखंड के प्रभारी भी हैं, अब देखना है कि के. राजू झारखंड की इंडिया गठबंधन सरकार को कैसे बचा पाते हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब यह भी नहीं हुआ, तो सोरेन ने कहा कि कांग्रेस अपनी 61 सीटों में से सिर्फ 2 सीटें उन्हें दे देती, तो भी वे 35 आदिवासी सीटों पर प्रचार कर लेते।

सोरेन का आरोप है कि कांग्रेस गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर रही है। सोरेन का सवाल है कि ''फिर मैं उनके साथ सरकार में क्यों रहूँ?''

उन्होंने अलूवीरा, जो राहुल गांधी की पसंद हैं और बिहार संभाल रहे हैं, के लिए कुछ कड़े और असंसदीय शब्दों का भी इस्तेमाल किया।

एआईसीसी प्रभारी अलूवीरा ने न किसी से मुलाकात की, न ही सामाजिक समीकरण या सहयोगियों को संभालने में कोई कूटनीतिक भूमिका निभाई।

सब पूछ रहे हैं कि राहुल गांधी को अलूवीरा कहाँ से मिले थे।

झारखंड में, बहुमत का आंकड़ा 42 है, और अगर कांग्रेस के 16 और आरजेडी के 4 विधायक बाहर भी चले जाएँ तो भाजपा के 21 विधायक उनकी जगह ले सकते हैं।

और सबसे बड़ा खतरा यह है कि कांग्रेस के विधायकों के टूटकर सोरेन सरकार में शामिल होने की भी पूरी संभावना है।

झारखंड के प्रभारी के. राजू भी राहुल के नवरत्नों में से एक है। वे पूर्व अफसर हैं, जिन पर राहुल गांधी को बहुत भरोसा है।

अब देखना यह है कि वे झारखंड में कांग्रेस सरकार को कैसे बचाते हैं, जबकि कांग्रेस की संख्या लगातार तेज़ी से गिर रही है।

पावर ब्रेकफास्ट के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में भी ''अंतिम निर्णय'' राहुल गांधी ही लेंगे।

अगले छः माह में मुख्यमंत्री बनने की डीकेएस की उम्मीदों के लिए शायद यह शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि पिछले सप्ताह एनडीटीवी को बताया गया था कि गांधी मध्यावधि स्वैप से सहमत नहीं हैं। जो भी हो, आज डीकेएस के घर पर आयोजित ब्रेकफास्ट मीटिंग तीन दिनों में हुई दूसरी मीटिंग थी। जैसा कि कांग्रेस एक बार फिर शांति बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि वर्ष 2028 के चुनाव पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके। और पार्टी ने एक जुटता को रेखांकित करने वाली एक और 'सब ठीक है' दर्शाती हुई फोटो जारी की।

डीकेएस ने एक तस्वीर, जिसमें दोनों एक साथ बैठे हुए हैं, के साथ ''एक्स''पर लिखा, आज मेरे घर पर मुख्यमंत्री ने नाश्ता किया, ताकि हम राज्य के अच्छे शासन और कांग्रेस की सोच के अनुरुप, राज्य के निरंतर विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि कर सकें।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''हम कांग्रेस में एक आवाज़ हैं... पार्टी में कोई मतभेद नहीं है, यह केवल मीडिया का कारनामा है।''

शनिवार को वे मुख्यमंत्री के घर पर मिले थे। उस समय, मेन्यू में इडली, उपमा और केसरी भात था, और शायद कॉफी भी थी। लेकिन जो चीज़ नहीं थी, वह था उनके विवाद का तत्काल समाधान। सूत्रों ने कहा कि दोनों ने सत्ता के हस्तान्तरण पर बात की, लेकिन तारीख पर सहमति नहीं बना पाए। डीकेएस का खेमा चाहता है कि यह जल्दी से जल्दी, यानी अप्रैल 2026 तक हो जाये, जबकि मुख्यमंत्री का पक्ष इसे जितना हो सके, टालने का इच्छुक है, यहां तक कि कार्यकाल के अंत तक भी।

सूत्रों ने कहा कि सिद्धारमैया का प्रस्ताव था कि वे कार्यकाल पूरा करें और फिर 2028 चुनावों में डीकेएस का समर्थन करें, अहिन्डा समुदाय में उनका राजनीतिक रूप से प्रभावशाली स्थान उनकी अच्छी संभावना बना सकता है।

अगर डीकेएस इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं, तो इसका मतलब हो सकता है कि कांग्रेस राज्य के दो सबसे बड़े वोट बैंक को अपने पक्ष में एकजुट कर सकती है, वोक्कालिगा समुदाय, जो पहले से ही शिवकुमार समर्थक है, तथा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थक अहिन्डा समुदाय। इस विवाद का केन्द्र एक समझौता है जो कथित तौर पर कांग्रेस की चौंकाने वाली 2023 की चुनावी जीत के बाद हुआ था - कि सिद्धारमैया और डीकेएस पांच साल का कार्यकाल साझा करेंगे, यानी दोनों में से प्रत्येक मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल कार्य करेंगे। पिछले महीने यह आधा कार्यकाल पूरा हो गया, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे, जिससे डीकेएस की ओर से दबाव बढ़ा, जिसमें वचन निभाने की बातें याद दिलाई गईं, और कांग्रेस के कुछ विधायकों ने दिल्ली जाकर मल्लिकार्जुन खड़गे से सिद्धारमैया को पद छोड़ने के लिए कहने का आग्रह किया। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने (अंततः) अपनी बात रखी।

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस वादे को कायम रखने का आ ान किया, यह कहते हुए कि ''यह वचन मेरे सामने दिया गया था... और इसे पूरा किया जाना चाहिए। अन्यथा, मेरे अपने राज्य में मेरी कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।''

यह दूसरा अवसर है, जब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस से इस मुद्दे को जल्दी ही सुलझाने का आग्रह किया है; पिछले सप्ताह उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले इसे सुलझाने की बात की थी।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की शुरुआत पहले ही की जा चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) जल्द ही साउथ ब्लॉक के अपने पुराने दफ्तर से निकलकर नए सेवा तीर्थ परिसर में शिफ्ट हो जाएगा। नया पीएमओ सेवा तीर्थ-1 परिसर से काम करेगा। इस परिसर में सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होंगे और सेवा तीर्थ-3 राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के साथ-साथ, केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं, प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है।

सेना ने इमरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही इमरान खान ने अपने लिए और पाकिस्तान के कमज़ोर मध्यम वर्ग के लिए बहुत कामयाबी से एक शानदार पोलिटिकल करियर बनाया। इमरान खान ने अपनी पॉलिटिकल पार्टी को कामयाबी की ऊँचाई पर पहुँचाया है और देश भर में उनके समर्थक हैं।

इमरान खान ने चुनाव लड़े और धीरे-धीरे समर्थन जुटाकर प्रधानमंत्री बने। शुरू में हालाँकि उनकी पॉलिटिकल पार्टी छोटी थी, लेकिन उन्होंने समर्थन जुटाया और फिर सेना ने उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठाया।

हालांकि जल्द ही, इमरान और सेना के शीर्ष अधिकारियों के बीच झगड़े शुरु हो गए। कुछ ही समय बाद, भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्हें सत्ता से हटाकर कड़ी सुरक्षा वाली सबसे बुरी जेलों में से एक जेल में डाल दिया गया। यहीं से उनका राजनीतिक सफर अचानक रुक गया।

कई दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाएं और अफवाहें तेज थीं कि इमरान खान को जेल में मार दिया गया है। यह अफवाह इसलिए फैली, क्योंकि जेल प्रशासन लगातार उनके करीबी परिवार वालों को उनसे मिलने नहीं दे रहा था। बार-बार की अपील भी असफल रही। अंत में, पी.टी.आई. ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किए और इमरान से मिलने की अनुमति की मांग की।

इमरान खान की लोकप्रियता ने पाकिस्तान की सेना के लिए दोधारी तलवार पैदा कर दी है। पहले तो सेना ने ही उन्हें उठाकर प्रधानमंत्री बनाया था, लेकिन बाद में इमरान की स्वतंत्र राजनीतिक शैली ने सेना के शीर्ष अधिकारियों को उनसे दूर कर दिया। विशेषकर आई.एस.आई. प्रमुख की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद हुआ।

बाद में, इमरान ने सेना के बड़े अधिकारियों के निहित स्वार्थों पर चोट की, जिन्हें वर्षों से बिना रोक-टोक के पावर दी जाती थी और पॉलिटिकल अधिकारियों ने कभी उन पर रोक नहीं लगाई थी। इससे सेना पूरी तरह उनके खिलाफ हो गई और विपक्ष के साथ मिलकर उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया।

अब हालात ये हैं कि सेना वर्तमान नेताओं, जिनमें शाहबाज़ शरीफ भी शामिल हैं, से भी खुश नहीं है। आने वाले समय में पाकिस्तान में सत्ता की लड़ाई कैसे आगे बढ़ेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600